आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ट 12 मूल्य: 2 ₹

डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23
यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6

www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआइआर!

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 39 ● नई दिल्ली ● 29 सितम्बर से 05 अक्तूबर 2024

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगाई फटकार

देश शीर्षस्थ न्यायालय एक मामले की सुनवाई करते हुए ईडी को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा है कि जमानत देने की सख्त शर्तों को लागू करके किसी को लंबे समय तक जेल में रखना उचित नहीं है। पीएमएलए, यूएपीए और एनडीपीएस ऐक्ट के मामलों में जल्द से जल्द निपटारा करने की जरूरत है। सुनवाई में देरी और जमानत देने में सख्त नियमों को लागू करके आरोपी को जेल में ही कैद रखना ठीक नहीं है। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज की बेंच ने कहा कि कार्यपालिका को भी उन कानूनों पर ध्यान देना चाहिए जिनमें आरोपी पर ही खुद को निर्दोष साबित करने की जिम्मेदारी होती है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला 2022-2016 के दौरान का है जब सेंथिल बालाजी परिवहन मंत्री हुआ करते थे। व 15 महीने से जेल में हैं और फिलहाल निकट भविष्य में इस मामले का हल निकलता दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में उन्हें जमानत दी जा रही है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में 2 हजार आरोपी और

शेष पृष्ठ 2 पर

॥ विजयशंकर चतुर्वेदी ॥

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बेंगलुरु की जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ जबरन वसूली के आरोप में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। यह मामला चुनावी बॉन्ड के जरिए कथित जबरन वसूली से जुड़ा है।

आदर्श अय्यर की ओर से दर्ज की गई शिकायत में आरोप लगाया गया था कि चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली की गई। इस मामले पर सुनवाई करते हुए बेंगलुरु की 42वीं एसीएमएम कोर्ट ने तिलक नगर पुलिस स्टेशन को निर्देश दिया है कि वे निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ एफआईआर

दर्ज करें। कोर्ट ने मामले की सुनवाई को 10 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दिया है।

- चुनावी बॉन्ड का विवाद

2018 में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई चुनावी बॉन्ड योजना का उद्देश्य राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नगद दान की जगह लेना और राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता लाना था। लेकिन विपक्ष ने इस

शेष पृष्ठ 2 पर

नीतिश-भाजपा में ठनी

॥ उमेश जोशी ॥

सियासत में जो ऊपर से दिखता है, वह अंदर से भी वैसा ही हो, इसकी गारंटी नहीं है। राजनीतिक दंगल में कई बार जो चीजें सामने होती हैं, भीतर ठीक उसके विपरीत भी रह सकती हैं। कुछ वैसी ही स्थिति बिहार में दिखाई दे रही है। भले ही जदयू और भाजपा के बीच सब कुछ ठीक-ठाक होने का दावा किया जा रहा है। सरकार मजबूती से चलाने का दावा किया जा रहा है। लेकिन कहीं ना कहीं तालमेल की कमी नजर आ रही। सवाल यह है कि तालमेल की कमी है या फिर जदयू और भाजपा के हाथ तो मिल गए हैं लेकिन दिल नहीं मिल पा रहे हैं। विधानसभा चुनाव अगले साल होने है। लेकिन उससे पहले राजनीतिक

गलियारों में एक बार फिर से बिहार की राजनीति को लेकर चर्चा तेज हो गई है। दावा किया जा रहा है कि भाजपा और जदयू में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है।

लोगों के इस शक को मजबूती तब मिली जब यह खबर सामने आती है कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पटना पहुंचें हैं। ऐसे में एक सवाल आपके जहन में जरूर आ रहा होगा कि नड्डा जी तो हाल ही में बिहार का दौरा किया थे, फिर अचानक बिहार क्यों से आ रहे हैं? 21 दिनों के भीतर भाजपा अध्यक्ष के दूसरी बार बिहार दौरे को लेकर अटकलें का दौर शुरू हो गया है। वाकई कुछ अंदर खिचड़ी पक रही है या महज यह संयोग है? इस पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। लेकिन दावा किया जा रहा है कि भाजपा और जदयू के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। इसके कई उदाहरण भी बताए जा रहे हैं।

कहा जा रहा है कि कुछ सरकारी कार्यक्रमों में भाजपा और जदयू के रिश्तों में जो तनातनी है, वह साफ तौर पर सामने आई है। कुछ कार्यक्रमों में भाजपा के मंत्री मौजूद रहते हैं तो जदयू के मंत्री गायब होते हैं और जिन कार्यक्रमों में जदयू के मंत्री रहते हैं वहां भाजपा के मंत्रियों की अनुपस्थिति दिख जाती है। उदाहरण के तौर पर 19 सितंबर को बापू सभागार में वेस्ट मैनेजमेंट के कार्यक्रम को बताया जा रहा है जिसमें राज्यपाल के अलावा उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव और

शेष पृष्ठ 2 पर

केजरीवाल ने आरएसएस चीफ से पूछे 5 सवाल

॥ विनीता यादव ॥

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप प्रमुख केजरीवाल ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखकर कहा कि बीजेपी ने आरएसएस का कद छोटा कर दिया है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या बेटा अब इतना बड़ा हो गया है कि अपनी माँ को एटीट्यूड दिखा रहा है? केजरीवाल ने लिखा, हिंदुत्व संगठन मालिक है जिसे अपने बच्चे को नियंत्रण में रखना चाहिए। केजरीवाल ने यह भी कहा कि वह जानना चाहते थे कि क्या आरएसएस पार्टियों को तोड़ने और विपक्षी सरकारों को गिराने के लिए एजेंसियों का इस्तेमाल करने और भ्रष्ट नेताओं को अपने पाले में शामिल करने की भाजपा की राजनीति से सहमत है। केजरीवाल ने भागवत से यह

भी सवाल किया कि क्या वह राजनेताओं को भ्रष्ट कहने और फिर उन्हें अपने पाले में शामिल करने की भाजपा की राजनीति से सहमत हैं। केजरीवाल ने भाजपा पर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों को तैनात करने और सबसे भ्रष्ट नेताओं को संरक्षण देने का आरोप लगाया। 'जनता की अदालत' में अपनी उपस्थिति के दौरान, केजरीवाल ने भागवत से सीधे सवाल किया था, "जब जेपी नड्डा ने कहा कि भाजपा को अब आरएसएस की जरूरत नहीं है तो आपके दिल पर क्या गुजरी?" केजरीवाल ने आगे आरोप लगाया कि पीएम मोदी राज्य सरकारों को गिराने के लिए ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल करते हैं और भागवत से पूछा कि क्या यह दृष्टिकोण "लोकतंत्र के लिए हानिकारक" है। उन्होंने भागवत को याद दिलाया कि आरएसएस के सदस्य राष्ट्रवादी और देशभक्त होने का दावा करते हैं, जबकि उन नेताओं को शामिल करने की आलोचना करते हैं, जिन्हें पीएम मोदी और अमित शाह ने पहले भ्रष्ट कहा था। आरएसएस के भीतर भाजपा की उत्पत्ति का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने सवाल किया कि क्या भागवत ने कभी पीएम मोदी को इन गलत गतिविधियों में शामिल होने से रोकने की कोशिश की थी। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान नड्डा के बयान का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि भाजपा अपनी "माँ" संगठन, आरएसएस को चुनौती देने के लिए काफी साहसी हो गई है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने 75 वर्ष से अधिक उम्र के नेताओं के लिए भाजपा के सेवानिवृत्ति नियम की ओर भी इशारा किया, जिसके कारण लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और शांता कुमार जैसे वरिष्ठ लोगों को दरकिनार कर दिया गया और पूछा कि क्या यह नियम मोदी पर भी लागू होगा।

एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी आप

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एमसीडी स्थायी समिति के चुनावों को असंवैधानिक बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी। भाजपा ने दिल्ली नगर निगम की 18 सदस्यीय स्थायी समिति की आखिरी खाली सीट निर्विरोध जीत ली। सत्तारूढ़ आप और कांग्रेस के पार्षदों ने चुनाव का बहिष्कार किया था।

आतिशी ने कहा कि हम निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की जाएगी क्योंकि बीजेपी ने सदन में जो चुनाव कराया वह पूरी तरह से अवैध है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर

शेष पृष्ठ 2 पर

संपादकीय

चुनौतियों से भरा 'आतिशी' का सफर शुरू

मैं आतिशी ईश्वर की शपथ लेती हूं.....के साथ ही आतिशी दिल्ली की 8वीं और तीसरी महिला मुख्यमंत्री बन गईं। पार्टी ने बहुत सोच समझकर उन्हें ये पद सौंपा है। महिला हैं, विश्वास पात्र हैं और पार्टी के प्रति पूर्ण वफादार भी हैं, इसलिए, वरना अरविंद केजीवाल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड़ के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जैसा जाखिम जानबूझकर नहीं उठाते। उन दोनों ने भी कभी अपनी जगह जीतनराम मांझी और चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी थी, जिन्होंने कुछ महीनों में ही आंखें दिखानी शुरू कर दी थी। खैर, केजरीवाल भी इस कड़ी में शामिल होते, उसके लिए उन्होंने गंभीरता से होमवर्क करके ही अपनी सीट पर आतिशी को बैठाने का निर्णय लिया। फिलहाल दिल्ली की स्थिति बिहार-झारखंड जैसी नहीं हैं। क्योंकि दिल्ली में अगले चार-पांच महीनों के भीतर ही विधानसभा के चुनाव होने हैं। अब से कुछ समय बाद ही आचार संहिता लग जानी है।

पार्टी कार्यकर्ता आतिशी की ताजपोशी को बेशक 'आतिशी पारी' कह रहे हों, पर चुनौतियों की भी कोई कमी नहीं है? सभी भली भांति जानते हैं कि नई मुख्यमंत्री के लिए करने को कुछ ज्यादा नहीं है। सिर्फ नाम भर की मुख्यमंत्री रहेंगी। ये भी सच हैं कि कुर्सी पर बेशक आतिशी बैठें, लेकिन चलाएंगे केजरीवाल ही? सरकार संचालन का रिमोट केजरीवाल के पास ही सदैव होगा। बहरहाल, अरविंद केजरीवाल अभी कोर्ट-कचहरी और कानूनी पचेड़े में बुरी तरह से फंसे हुए हैं। आतिशी को दिल्ली की कमान सौंपने के पीछे एक वजह ये भी है कि वो महिला हैं इसलिए विपक्ष खासकर भाजपा खुलकर हमलावर नहीं होगी। पार्टी नेताओं की माने तो आतिशी को चुनाव तक के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच वो गड़बडाई पार्टी की स्थिति को कितना संभाल पाती हैं, ये उनके सामने कड़ी परीक्षा जैसी रहेगी।

फिलहाल राज निवास में आयोजित एक समारोह में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उनको मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवा दी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने के साथ ही उन्होंने भारत की 17वीं महिला मुख्यमंत्री बनने का गौरव भी हासिल कर लिया। समारोह में मौजूद रहे विपक्षी नेता बिजेंद्र गुप्ता, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी उन्हें मुख्यमंत्री बनने की बधाइयां दी। दिल्ली के कालकाजी से विधायक आतिशी ने शपथ लेने के बाद अरविंद केजरीवाल के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। आतिशी आम आदमी पार्टी के कोटे से चौथी मुख्यमंत्री बनी हैं, उनसे पूर्व 3 मर्तबा पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल खुद मुख्यमंत्री रहे हैं। आतिशी के जगह अगर कोई पुरुष नेता मुख्यमंत्री बनता, तो भाजपा हमलावर होती। इसलिए केजरीवाल ने महिला को सीएम की कुर्सी सौंपकर बड़ा सियासी दांव खेला है।

मुख्यमंत्री आतिशी के समक्ष चुनौतियां बेशक हजार हो, लेकिन पार्टी उनके पीछे खड़ी है। पार्टी उन्हें चुनाव तक धुंआधांर पारी खेलने का मौका देगी। क्योंकि अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी की वापसी भी करवानी है। मीडिया और सार्वजनिक रूप से सबसे बड़ा यही सवाल चारों ओर गूंज रहा है कि क्या अगले वर्ष होने वाले चुनाव तक मुख्यमंत्री आतिशी पार्टी की वापसी करवा पाएंगी या नहीं? दिल्ली के सरकारी कामकाज काफी हद तक रुके हुए हैं। उन्हें दोबारा से संचालित करना होगा। पार्टी के कई नेता नाराज होकर दूसरे दलों में चले गए हैं और कोई न जाए, उन्हें रोकना होगा। रूठे नेताओं को मनाना होगा। एमसीडी जोन चुनाव में पार्टी भाजपा से पिछड़ चुकी है, दोबारा से पटरी पर लाना होगा। ऐसे कई मुद्दे नई मुख्यमंत्री के सामने मुंह खोले खड़े हैं। उन सभी को उन्हें पार पाना होगा। कुछ कठोर निर्णय भी लेने पड़ सकते हैं। दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य महका भी चरमरा गया है, जबकि ये ऐसे महकमें है जिनके बूत उनकी पार्टी प्रचार करती है। शिक्षा में क्रांति लाने वाले मनीष सिसोदिया भी मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं है। दिल्ली में पूर्व के मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल पर अगर नजर डाले, तो कईयों का बहुत अच्छा इतिहास और शानदार कार्यकाल रहा। एकाध मुख्यमंत्रियों ने तो लंबे समय तक राजधानी पर राज किया। पहले मुख्यमंत्री थे ब्रह्म प्रकाश, जो 17 मार्च 1952 से लेकर 12 फरवरी 1955 तक दिल्ली के मुखिया रहे। दूसरे, नंबर पर गुरमुख निहाल सिंह रहे जिनका कार्यकाल 12 फरवरी 1955 से लेकर 1 नवंबर 1956 तक रहा। तीसरे, मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना हुए उन्होंने 2 दिसंबर 1993 से लेकर 26 फरवरी 1996 तक दिल्ली की कमान संभाली। चौथे मुख्यमंत्री की बात करें, तो साहिब सिंह वर्मा थे जिन्होंने 26 फरवरी 1996 से लेकर 12 अक्टूबर 1998 तक दिल्ली को मुख्यमंत्री के तौर पर संभाला। वहीं, पहली महिला मुख्यमंत्री सुषमा स्वराज थी जिनका कार्यकाल कम अवधि का था, वह मात्र 12 अक्टूबर 1998 से 3 दिसंबर 1998 तक ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर रहीं।

वहीं, दूसरी महिला मुख्यमंत्री के रूप में शीला दीक्षित ने लंबा कार्यकाल बिताया उन्होंने 3 दिसंबर 1998 से लेकर 1 दिसंबर 2003, 2 दिसंबर 2003 से 29 नवंबर 2008 तक और फिर 30 नवंबर 2008 से 28 दिसंबर 2013 तक दिल्ली की सेवा की। उनका कार्यकाल कई मायनों में यादगार रहेगा। सफल कॉमनवेल्थ गेम्स से लेकर मेट्रो के आगमन का श्रेय उन्हीं ही दिल्लीवासी देते हैं। इन सभी के बाद फिर आम आदमी पार्टी का आगाज हुआ, नई आम आदमी पार्टी वजूद में आई उनके संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 28 दिसंबर 2013 से लेकर 14 फरवरी 2014 तक, फिर 14 फरवरी 2015 से लेकर 15 फरवरी 2020 और फिर 16 फरवरी 2020 से लेकर 21 सितंबर 2024 तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे। अब आतिशी की पारी का आगाज हुआ है। दिल्लीवासियों को उनसे भी बहुत उम्मीदें हैं, देखते वह कितना खरा उतर पाती हैं।

सरकार घबराई -प्रधानमंत्री परेशान हैं

कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश लगातार मोदी पर हमलावर रहते हैं। इसी बीच एक बार फिर से जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। भाजपा सांसद कंगना रनौत के बयान के बहाने रमेश ने कहा कि भाजपा ने चुनाव के दौरान '400 पार' और संविधान बदलने की बात की। हमारे गैर-जैविक पीएम चुप रहते हैं और दूसरों से बयान दिलवाते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि तीन काले कानूनों को वापस लाने की मांग बीजेपी की ओर से हर दिन आती है। अपना हमला जारी रखते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम और 'स्वघोषित' चाणक्य

ने सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना पर अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है। वे आरक्षण पर 50% की सीमा हटाएंगे या नहीं इसका जवाब नहीं दे रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र के राज्य चुनावों में ये बड़े मुद्दे बनने जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 4 जून, 2024, भारतीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था... आगामी राज्य चुनावों के बाद आप और अधिक बदलाव देखेंगे।

यह पूछने पर कि हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव किस तरह के बदलाव लाएंगे, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पीएम का चेहरा देखिए। वह परेशान है। वह ज्यादा नहीं बोलते। वह दुनिया के देशों का दौरा करते हैं लेकिन मणिपुर नहीं पहुंचे हैं। वह किसानों, आरक्षण या जाति-आधारित जनगणना के बारे में बात नहीं करते हैं। चलो देखते हैं क्या होता हैं। उन्होंने कहा कि बहुत कुछ चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार पर निर्भर करता है। एक बात तो पक्की है कि इंडिया अलायंस संसद में मजबूत है और हमारे विपक्ष के नेता लोकसभा और राज्यसभा में आक्रामक तरीके से मुद्दे उठा रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकार घबराई हुई है।

पृष्ठ 1 का शेष

निर्मला सीतारमण के खिलाफ...

योजना पर सवाल उठाए और इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने हाल ही में इस योजना को रद्द कर दिया, जिससे बीजेपी की काफी किरकिरी हुई।

शिकायत में केवल निर्मला सीतारमण ही नहीं, बल्कि ईडी अधिकारियों, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, तत्कालीन भाजपा कर्नाटक अध्यक्ष नलिन कुमार कटील और बीवाई विजयेंद्र के नाम भी शामिल हैं। याचिकाकर्ता आदर्श अय्यर ने आरोप लगाया कि चुनावी बॉन्ड के जरिए डरा-धमकाकर जबरन वसूली की गई।

कोर्ट के आदेश के बाद तिलक नगर पुलिस अब निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच करेगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। इस आदेश के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य बीजेपी नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू हो सकती है, जिससे बीजेपी के लिए नया संकट खड़ा हो गया है।

नीतिश-भाजपा में ठनी

नगर विकास मंत्री नितिन नवीन मौजूद थे। लेकिन जदयू के नेता एक भी नहीं थे। दूसरी ओर नीतीश कुमार ने भी उसी दिन एक्सप्रेसवे को लेकर एक हाई लेवल मीटिंग बुलाई थी। लेकिन विभाग के मंत्री और भाजपा नेता विजय सिन्हा उस बैठक से दूर रहे। नवादा कांड को लेकर भी नीतीश कुमार ने लॉ एंड ऑर्डर की बैठक बुलाई थी जिसमें भाजपा नेताओं की दूरियां बरकरार रही।

राजद भी अब इसको लेकर मजे लेने की कोशिश कर रहा है। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि जेपी नड्डा बिहार क्यों आ रहे हैं? यह बड़ा सवाल है।

जदयू और भाजपा के बीच मतभेद है। बहुत सारी ऐसे कार्यक्रम हुए हैं जिनमें दोनों पार्टियों की राय बिल्कुल अलग रही है। मुख्यमंत्री के समीक्षा बैठक में दोनों पार्टी के नेता मौजूद नहीं हो रहे हैं। सीएम जब जहानाबाद गए थे तो भी वहां बीजेपी के नेता मौजूद नहीं रहे। इससे साफ तौर पर पता चलता है कि एनडीए में ऑल इज नॉट वेल है और जेपी नड्डा डैमेज कंट्रोल के लिए पटना पहुंचे। हालांकि जदयू ने इसे पूरी तरीके से खारिज किया है और कहा है कि राजद कैसे कह सकता है कि एनडीए में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। क्या राजग के नेता भाजपा से मिले हुए हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगाई फटकार

500 गवाह हैं। ऐसे में मामले की सुनवाई और फैसले में ज्यादा वक्त लगने की संभावना है। कोर्ट ने कहा कि अब तक के साक्ष्यों को देखें तो सेंथिल बालाजी के खिलाफ ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे पता चले कि उनके बैंक अकाउंट में 1.34 करोड़ रुपये जमा किए गए। यह भी नहीं कहा जा सकता कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई केस नहीं बनता। वहीं ईडी को जमानत के सख्त प्रावधान धारा 45 (1) (क्क) को इस्तेमाल करने की अनुमति भी नहीं दी जा सकती क्योंकि आरोपी लंबे समय से हिरासत में हैं। वहीं बेंच ने कहा कि बालाजी को हर सोमवार और शुक्रवार को ईडी के पास हाजिरी देनी होगी। वहीं मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुनवाई के दौरान उन्हें कोर्ट में भी हाजिर रहना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मंत्री रहते हुए बालाजी पर आरोप लगे थे। वहीं न्याय व्यवस्था में जमानत एक नियम है और जेल अपवाद है।

एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव...

निगम अधिनियम बिल्कुल स्पष्ट है कि बैठक बुलाने का अधिकार केवल महापौर को है, बैठक की अध्यक्षता करने का अधिकार केवल महापौर और उनकी अनुपस्थिति में उपमहापौर को है। इसलिए हम इस अलोकतांत्रिक चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और इस अवैध, असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा द्वारा कराया गया चुनाव अवैध, असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है। दिल्ली नगर निगम अधिनियम 1957 के तहत कई नियम, कानून और उपनियम बनाए गए हैं जिनके द्वारा एमसीडी को चलाया जाता है, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण है दिल्ली नगर निगम प्रक्रिया और आचरण और व्यवसाय विनियम 1958, यानी एमसीडी में की जाने वाली कोई भी कार्रवाई दिल्ली नगर निगम अधिनियम और उस अधिनियम के तहत बने नियमों के अनुसार करना होगा। उन्होंने कहा कि नियमों के मुताबिक यह स्पष्ट है कि स्थायी समिति के सदस्यों का चुनाव निगम की बैठक में किया जायेगा। निगम की बैठक का समय, स्थान और तारीख तय करना सिर्फ मेयर के अधिकार में है। आतिशी ने कहा कि निगम की बैठक कब होगी, यह मेयर ही तय कर सकते हैं। जब भी निगम की बैठक होगी तो उसके पीठासीन पदाधिकारी मेयर या डिप्टी मेयर होंगे।

केजरीवाल ने दिल्लीवालों को दिलाया भरोसा

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शहर की सभी सड़कों का लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से तत्काल मूल्यांकन कराने को कहा है। पत्रकारों से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने सीएम आतिशी को अगले तीन-चार दिनों के भीतर मूल्यांकन पूरा करने के लिए कहा है। हाल ही में तिहाड़ जेल से रिहा हुए केजरीवाल ने बताया कि उनके कारावास के दौरान कई परियोजनाओं में देरी हुई। केजरीवाल ने इस बात पर जोर दिया कि रुकी हुई परियोजनाएं अब फिर से शुरू होंगी और दिल्ली के बुनियादी ढांचे को पटरी पर लाने का वादा किया।

फोटो : कमलजीत सिंह

मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मैंने कल भी आतिशी के साथ डीयू का दौरा किया था। सड़क क्षतिग्रस्त हो गयी। हम यहां आये हैं। इसलिए, मैं आतिशी से आग्रह करना चाहूंगा कि अगले 3-4 दिनों में दिल्ली की सभी PWD सड़कों का आकलन करें। उन्होंने कहा कि हमारे सभी विधायक और मंत्री सड़क पर उतरेंगे और ये आकलन करेंगे। जितनी भी सड़कें क्षतिग्रस्त हैं, उनकी मरम्मत का काम अगले कुछ महीनों में युद्ध स्तर पर किया जायेगा, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

आप संयोजक ने आगे कहा कि मैं जेल में था और इसीलिए उन्होंने बहुत सारे काम रोक दिए लेकिन मैं लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं यहां हूं। सभी रुके हुए काम फिर से शुरू हो जाएंगे। केजरीवाल ने दावा किया था कि भाजपा उन्हें झूठे मामलों में गिरफ्तार कराकर दिल्ली सरकार को पटरी से उतारना चाहती है। पूर्व सीएम ने दावा किया कि उन्हें जेल भेजा गया क्योंकि बीजेपी का उद्देश्य लोगों के काम को रोककर दिल्ली में AAP सरकार को बदनाम करना था। केजरीवाल उत्पाद नीति मामले में पांच महीने तक तिहाड़ जेल में बंद थे और उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने के बाद इस महीने की शुरूआत में रिहा हुए थे। उन्होंने पिछले सप्ताह दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और कहा था कि फरवरी में विधानसभा चुनाव में दिल्ली के लोगों से "ईमानदारी का प्रमाण पत्र" प्राप्त करने के बाद वह इस पद पर लौट आएंगे।

अरविंद केजरीवाल एक्सपोज वह भ्रष्टाचार में शामिल

दिल्ली के जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी (आप) ने 'जनता की अदालत' नाम से एक सभा का आयोजन किया। इस सभा का मकसद अरविंद केजरीवाल को जनता के सामने पेश करना था। आप के इस सभा पर निशाना साधते हुए दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कई गंभीर आरोप लगाए। देवेंद्र यादव ने कहा कि 11 साल बाद ही सही, अरविंद केजरीवाल को जनता की याद आई। केजरीवाल ने जनता की अदालत लगाने का ढोंग किया है। यह वही केजरीवाल हैं जो कहते थे कि हम भ्रष्टाचार खत्म कर देंगे और लोकपाल बिल लेकर आएंगे। वह बिजली और पानी के मुद्दों पर भी वादे करते थे, लेकिन आज उनकी सरकार और मंत्रिमंडल भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह वही केजरीवाल हैं, जिन्होंने कोर्ट में जाकर शीला दीक्षित से माफी मांगी थी। आज उनकी पोल जनता के सामने खुल चुकी है। उनके इस तरह के ड्रामे से जनता पर कोई असर नहीं होने वाला। अरविंद केजरीवाल ने अपनी सभा में अन्ना आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि जब मैंने अन्ना आंदोलन शुरू किया, तब केंद्र में एक अहंकारी सरकार थी। लेकिन जनता ने मुझे आशीर्वाद दिया और मैं चुनाव जीतकर आया। इस पर देवेंद्र यादव ने कहा कि जनता ने आपको तीन बार मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन आप अपने वादों से मुकरते रहे और यू-टर्न लेते रहे।

व्यंग्य संग्रह 'कि शुतुरमुर्ग बने रहे' का विमोचन

प्रसिद्ध व्यंग्यकार शांति लाल जैन को इस वर्ष का "तंज श्री" सम्मान प्रदान किया गया है। चेतना इंडिया और हेमलता देवी जैन साहित्य सम्मान के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली के प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर शांति लाल जैन के व्यंग्य संग्रह " कि शुतुरमुर्ग बने रहे" का विमोचन किया गया। शांतिलाल जैन के बारे में मुख्य अतिथि और साहित्यकार डॉ. रमेश तिवारी ने कहा कि वे अपने देश ही नहीं विदेशों की घटनाओं से भी प्रेरणा लेकर लिखते हैं। उनके व्यंग्य जन सरोकारों से जुड़े हैं। शांतिलाल जैन के लेखन में हास्य तो है लेकिन फूहड़ता नहीं। इस अवसर पर शांति लाल जैन ने अपनी चार व्यंग्य रचना भी सुनाई। चेतना इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष सतपाल कार्यक्रम के अध्यक्ष थे। श्रीमती संगीता अग्रवाल विशेष आमंत्रित के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुई। उन्होंने अपनी रचना भी सुनाई। सतपाल ने शांतिलाल जैन की साहित्यिक यात्रा के बारे में बताया। चेतना इंडिया की प्रमुख स्तंभ और आकाशवाणी समाचार वाचिका श्रीमती चंद्रिका जोशी के सानिध्य में कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन चंद्रिका जोशी और आकाशवाणी समाचार वाचक सिद्धार्थ ने किया। दूरदर्शन की पूर्व समाचार वाचिका विभा जोशी ने शांति लाल जैन को प्रदान किये गए प्रशस्ति पत्र का संदेश पढ़ा। इस कार्यक्रम में चेतना इंडिया से नवीन सक्सेना, निखिल कुमार शुक्ला, अशोक अगरोही, प्रदीप कुमार भी शामिल हुए। दिल्ली के स्थानीय साप्ताहिक समाचार पत्र "आफ्टर ब्रेक" के संपादक मनीष सिन्हा, आकाशवाणी की पूर्व हिंदी अधिकारी ललिता जोशी, जगमाल शर्मा, जोगिंद्र शर्मा जमना प्रसाद, संजय सोनी ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में सुनील जैन सहित अनेक गण्यमान्य साहित्य प्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति से यह यादगार शाम बन गई।

हास्य अभिनेता असरानी बनेंगें राजा जनक के प्रमुख मंत्री

॥ चंद्रमोहन शर्मा ॥

लालकिला ग्राउण्ड में लव कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया कि जाने माने फिल्म स्टार, कामेडीयन, अंग्रेजों के जमाने के जेलर असरानी राजा जनक के दरबार में सीता स्वयंवर के अवसर पर सभी राजाओं को अपने अनोखे हास्य स्टाइल से धनुष भंग करने लिए आमंत्रित करते नजर आयेंगे। फेमस सिंगर शंकर साहनी केवट के रूप में रामलीला में प्रभु श्री राम को नईया पार कराते हुए प्रभु श्री राम का गुनगान भी करेंगे। आम आदमी पार्टी के नेता एवं सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल रावण के पराक्रमी इन्द्र विजयी पुत्र मेघनाद की भूमिका निभायेंगे। आर्मी की मेजर शालू वर्मा महाराज दशरथ की प्रिय पत्नी केकई का किरदार करेंगी।

असरानी ने मीडिया के सवालों का जबाव देते हुए कहा कि रामलीला में कोई भी किरदार निभाना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं जब भी विदेश गया मुझे वहां पर मेरे प्रशंसकों ने नारद जी कहकर पुकारा क्योंकि मैंने लव कुश के मंच पर नारद मुनि का किरदार निभाया था, मुझे खुशी हुई की विदेश में भी लव कुश रामलीला का इतना प्रचार प्रसार है कि वहां की युवा पीढ़ी में रामलीला के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं संस्कार आ रहे हैं मैं इस वर्ष में राजा जनक के दरबार में प्रमुख मंत्री का किरदार निभा रहा हूँ जो सीताजी के स्वयंवर में आये सभी राजाओं को बाबा भोले का धनुष भंग करने के लिए आमंत्रित करूंगा। शंकर साहनी ने बताया कि एक गायक हूँ और मुझे खुशी है कि मैं केवट का किरदार निभा रहा हूँ जोकि प्रभु श्रीराम जी को गाते हुए गंगा पार कराउंगा, इस किरदार के लिए मेरा चयन किया इसके लिए मैं लव कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार, महामंत्री सुभाष गोयल का आभार प्रकट करता हूं।

लव कुश रामलीला कमेटी महामंत्री सुभाष गोयल ने कहा लीला से पूर्व संत त्रिलोचन दास महाराज का प्रवचन कार्यक्रम, विख्यात भजन गायक कन्हैया मित्तल द्वारा खाटू श्याम की भजन संध्या होगी इसी के साथ महाराज अनिरूद्वाचार्य जी के प्रवचन, भजन कार्यक्रम भी होगा।

आप पार्टी के नेता बृजेश गोयल ने बताया कि मैं लव कुश के मंच पर दशानन रावण पुत्र महा-बलशाली मेघनाद का किरदार निभाउंगा, यह किरदार चुनौती पूर्ण है इसके लिए मैं अभी से तैयारी कर रहा हूँ। कमेटी ने इस पात्र के लिए चुना मैं सभी धन्यवाद करता हूँ। आर्मी बेक ग्राउण्ड से आयी मेजर शालू वर्मा ने पत्रकारों को बताया कि लीला में महाराज दशरथ की महारानी केकेई का महत्वपूर्ण किरदार निभाना यकीनन मेरे लिए बहुत अहम है। इस अवसर पर लीला कमेटी के सर्वश्री पवन गुप्ता, सत्यभूषण जैन, प्रवीण गोयल, दिनेश जैन, राजकुमार गुप्ता, प्रवीण सिंहल, दीनानाथ सोनकर, अशोक कटारिया, वीरू सिंधी, राजकुमार कश्यप आदि रहे।

यमुना पॉवर लिमिटेड का जे ई रिश्वत लेकर सील बिल्डिंगों में लगा रहा है बिजली के मीटर

॥ अशोक कुमार निर्भय ॥

पहाड़गंज क्षेत्र में यमुना पॉवर के जे ई पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं कि वह अवैध रूप से सील बिल्डिंगों में यमुना पवार लिमिटेड के बिजली के मीटर लगवा रहा है। यह मामला तब सुर्खियों में आया जब स्थानीय निवासियों ने इसकी शिकायतें दर्ज कराई थीं। बताया गया है कि जे ई ने रिश्वत लेकर इन सील बिल्डिंगों में बिजली के मीटर लगाए हैं, जो पूरी तरह से कानून का उल्लंघन है। यमुना पावर लिमिटेड के स्थानीय व्यवसायी प्रबंधक को भी इस मामले में शिकायत दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। क्योंकि शायद हिस्सा उनको भी मिल रहा है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर क्यों इस तरह के भ्रष्टाचार को रोका नहीं जा रहा है। सील बिल्डिंगों में बिजली के मीटर लगाने की प्रक्रिया न केवल अवैध है, बल्कि यह स्थानीय निवासियों के लिए भी गंभीर समस्या बनती जा रही है। शिकायतकताओं ने कोर्ट का भी रुख किया, लेकिन उनके अनुसार, कोर्ट के आदेशों का कोई सम्मान नहीं किया जा रहा है। यमुना पॉवर के जे ई ने न केवल कानून की धज्जियाँ उड़ाई हैं, बल्कि स्थानीय प्रशासन की कार्यवाही को भी नजरअंदाज किया है। यह स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार की इस कड़ी में कई लोग शामिल हैं, और सवाल उठता है कि क्या कोई प्रभावी कार्रवाई की जाएगी? स्थानीय निवासी इस स्थिति से बेहद चिंतित हैं। उनका कहना है कि जब तक इस भ्रष्टाचार के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाए जाएंगे, तब तक हालात में सुधार होना मुश्किल है। कई लोगों ने इस मुद्दे को उठाने के लिए प्रदर्शन भी किए हैं, लेकिन इससे भी कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका। क्या अदालत इस मामले में संज्ञान लेगी ? यह एक बड़ा सवाल है, क्योंकि यदि कानून को लागू करने वाली संस्थाएं खुद भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई नहीं करतीं, तो लोगों का विश्वास और भी कमजोर होगा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे इस मुद्दे को उठाते रहेंगे, लेकिन अब उन्हें किसी ठोस कार्रवाई की प्रतीक्षा है। इस पूरे मामले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल शिकायतें दर्ज कराने से कुछ नहीं होगा, जब तक कि सिस्टम में सुधार नहीं किया जाता। यदि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों की सुनवाई नहीं होगी, तो क्या यही स्थिति बनी रहेगी? आखिरकार, इस प्रकार के भ्रष्टाचार को रोकने के लिए केवल कानूनी कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रशासनिक सुधार और जागरूकता भी आवश्यक है। स्थानीय निवासी अब इस मुद्दे पर एकजुट हो रहे हैं, और उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही इस भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। अगर इस प्रकार के मामलों में उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो यह न केवल यमुना पावर के लिए, बल्कि पूरे सिस्टम के लिए एक बड़ा सवाल होगा कि आखिर कौन रोकेगा भ्रष्टाचार?

केंद्र की 4 स्टैंडिंग कमेटियों में कांग्रेस को बनाया अध्यक्ष

रक्षा मामलों की समिति के सदस्य होंगे राहुल गांधी

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

केंद्र की एनडीए सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल में 24 डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटियों का गठन किया है। वर्ष 2024-25 के लिए गठित समितियों में 4 समितियां ऐसी हैं जिसमें कांग्रेस को सर्वेसर्वा जिम्मेदारी सौंपी गई है। रक्षा मामलों की समिति में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सदस्य के रुप में शामिल किया गया है। बता दें कि हर एक समिति में राज्यसभा और लोकसभा दोनों के सदस्य शामिल हैं। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से 6 स्टैंडिंग कमेटी की अध्यक्षता की मांगी थी, लेकिन उसे चार प्रमुख पैनलों की अध्यक्षता दी गई है। इसमें विदेश, शिक्षा, कृषि, ग्रामीण मामलों की समिति शामिल हैं। राहुल गांधी को रक्षा मामलों की समिति का सदस्य बनाया गया है। सोनिया गांधी का नाम किसी भी समिति में नहीं है। बीजेपी 11 समितियों की अध्यक्षता करेगी। टीएमसी और डीएमके के खाते में 2-2 समितियों की अध्यक्षता आई है। जबकि जेडीयू, टीडीपी, एसपी, शिवसेना (एकनाथ), एनसीपी (अजित) को एक-एक समिति की अध्यक्षता दी गई है। हर डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी में 31 मेंबर्स होते हैं, जिसमें से 21 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से चुने जाते हैं। इन सभी कमेटी का

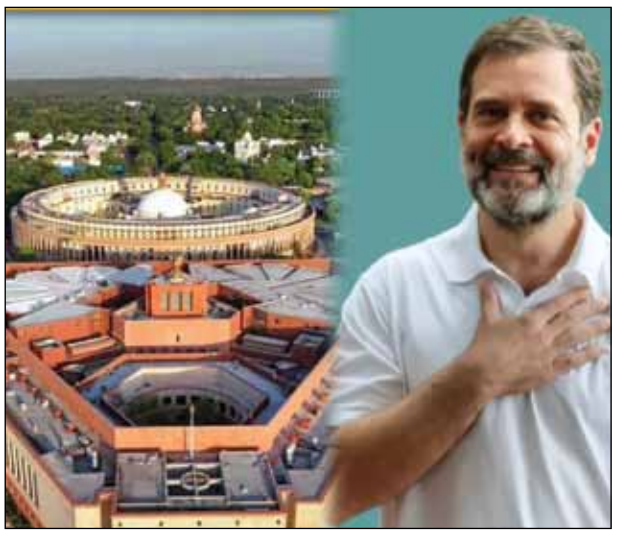

कार्यकाल एक साल से ज्यादा नहीं होता है।

सांसद समिति

भाजपा सांसद राधा मोहन सिंह (अध्यक्ष), कांग्रेस सांसद राहुल गांधी (सदस्य) रक्षा मामलों की समिति, कांग्रेस सांसद शशि थरूर (अध्यक्ष), भाजपा सांसद अरुण गोविल (सदस्य), असदुद्दीन ओवैसी (सदस्य)।

विदेश मामलों की समिति

कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी समिति, कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण संबंधी समिति, सपा सांसद रामगोपाल यादव स्वास्थ्य और परिवार कल्याण समिति, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे (अध्यक्ष सदस्य- सपा सांसद जया बच्चन, शिवसेना (यूबीटी) प्रियंका चतुर्वेदी, बीजेडी सांसद सुष्मित पात्रा, कांग्रेस सांसद केटीएस तुलसी, भाजपा सांसद अनिल बलूनी, भाजपा, सांसद कंगना रनौत, भाजपा सांसद पूनम मादम, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा।

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी समिति

कांग्रेस सांसद सप्तगिरि शंकर उलाका ग्रामीण और पंचायती राज, भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब वित्त संबंधी समिति, बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर कोयला, खदान और इस्पात समिति, भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी जल संसाधन समिति, डीएमके सांसद तिरुचि शिवा उद्योग संबंधी समिति, भाजपा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल गृह मामलों की समिति, टीएमसी सांसद डोला सेन वाणिज्य संबंधी समिति, भाजपा सांसद सी एम रमेश।

रेल मामलों की समिति, एनसीपी (अजित) सांसद सुनील तटकरे।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस

टीडीपी सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी आवास और शहरी मामलों, शिवसेना (एकनाथ) सांसद श्रीरंग अप्पा चंदू बारने ऊर्जा संबंधी समिति, टीडीपी सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी आवास और शहरी मामलों की समिति, भाजपा सांसद भुवनेश्वर कालिता विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण समिति, जेडी(यू) सांसद संजय झा परिवहन, पर्यटन और संस्कृति समिति, भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई जलवायु परिवर्तन तथा श्रम संबंधी समिति, भाजपा सांसद पीसी मोहन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता संबंधी समिति, भाजपा सांसद ब्रिज लाल कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय समिति, डीएमके सांसद के। कनिमोझी उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण समिति।

अनूरा श्रीलंका के राष्ट्रपति चुने गए

॥ रघु ठाकुर ॥

श्रीलंका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में अनूरा राष्ट्रपति के पद पर चुने गए हैं और उनके मतों में जो 2019 में मात्र 3.6% थे भारी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि श्रीलंका के संविधान के अनुसार उनके मत भी 42.3% थे अतः पुनः मतगणना में प्रेमदासा के द्वितीय वरीयता के मत मिले मत उनको द्वितीय वरीयता के मत मिले और अनुरा ने जीत हासिल कर राष्ट्रपति का पद अपने हाथ में लिया है ।

इन चुनाव परिणाम के जो संकेत है वह भी अच्छे हैं। एक तो इन चुनाव परिणाम में जनता ने यानि श्रीलंका के मतदाताओं ने परिवारवाद को भी पराजित किया है नमल राज पक्षे जो राजपक्षे परिवार के हैं को पिछले चुनाव में 52 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे पर इस बार उन्हें मात्र ढ़ाई परसेंट वोट मिले हैं। रानिल राजपक्षे को भी मात्र सत्रह प्रतिशत वोट मिले । अनूरा की जीत एक प्रकार से नौजवानों के उत्साह की जीत है और बदलाव की जीत है।

अनूरा के ऊपर अब बड़ी जिम्मेवारियां है और उन्हें न केवल श्रीलंका को आर्थिक संकट से निकालना है बल्कि वहां के नौजवानों के लिए रोजगार की व्यवस्था करना है और दक्षिण एशिया के देशों के बीच में एक समुचित संतुलन बनाने का भी काम है। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी अनूरा को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करती हैऔर उम्मीद करती है कि उनके नेतृत्व में भारत और श्रीलंका के संबंध सुधरेंगे। श्रीलंका अंतर भाषाई अंतर धर्मी तनाव से मुक्त होगा और हिंसा से मुक्त होकर एक नया सुंदर बुद्ध के दर्शन के आधार का श्रीलंका बनेगा।

डीजेए पत्रकारों की समस्याओं पुरजोर तरीके उठाएगी

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीजेए) के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को कार्यकारणी की पहली बैठक में कार्यभार सौंपा। दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीजेए) दिल्ली के पत्रकारों की समस्याओं को सरकार के समक्ष पुरजोर तरीके से रखेगी और उनके निवारण के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।

डीजेए के 2024-2026 सत्र के लिए गठित कार्यकारणी की पहली बैठक एनयूजे(आई) के मुख्यालय पर आयोजित की गई।

इस बैठक में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

रास बिहारी और डीजेए के मुख्य चुनाव अधिकारी अशोक किंकर ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश थपलियाल, महासचिव प्रमोद कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष नरेश गुप्ता, उपाध्यक्ष रामेश्वर दयाल, सुश्री अनिता चौधरी, सचिव कृष्ण देव पाठक और प्रिय रंजन सहित कार्यकारणी के सदस्यों को कार्यभार सौंपा।

रास बिहारी ने दिल्ली के

पत्रकारों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में डीजेए के साथ जोड़ने और पत्रकारों के हित में हमेशा संघर्षरत रहने के साथ उनकी समस्याओं को सरकार तक पंहुचाने और उन्हे दूर करने में पूरी ताकत झोंकने पर जोर दिया। अध्यक्ष राकेश थपलियाल, महासचिव प्रमोद कुमार सिंह और कोषाध्यक्ष नरेश गुप्ता ने सभी पत्रकारों का धन्यवाद करते हुए कहा कि पत्रकारों के हित के लिए सड़क से लेकर सत्ता के गलियारों तक जमकर संघर्ष करेंगे।

सत्ता में शीर्ष पर बैठे लोगों तक आम पत्रकारों की समस्याओं को पहुंचाएंगे और उनका निवारण करवाएंगे।

इस अवसर पर एनयूजे कार्यकारिणी के सदस्य मनोज वर्मा ने भी डीजेए के इतिहास का जिक्र करते हुए तन, मन और धन से अपना पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिया।

डीजेए के कार्यकारिणी सदस्यों

सुश्री प्रतिभा शुक्ला, सुश्री निवेदिता मदाने, डॉ अशोक बर्थवाल, नवीन गौतम, प्रदीप श्रीवास्तव, राजेश भासीन, आलोक मोहन नायक, अमित गौड़, मानवेंद्र कुमार, सुशील देव, कृष्ण कुमार तिवारी ने भी पत्रकारों के हित में आवाज बुलंद करने में सदेव आगे रहने का वादा किया।

डीजेए की कार्यकारिणी में यह तय किया गया कि वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए एक स्मारिका दीपावली से पूर्व प्रकाशित की जाएगी।

पत्रकारिता के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा व ट्रेनिंग देने के लिए पत्रकारिता पढ़ाने वाले इंस्टीट्यूट, स्कूल व कॉलेजों से संपर्क कर उन्हें अनुभवी पत्रकार उपलब्ध कराए जाएंगे। जिससे विद्यार्थियों को बेहतर ज्ञान मिल सके।

क्लब एनपीसी का वार्षिक आयोजन

निर्माण उद्योग की क्रांतिः नवाचार का संगम

॥ मनोज शर्मा ॥

क्लब एनपीसी का वार्षिक महासभा (एजीएम) और नेटवर्किंग कार्यक्रम नई दिल्ली के पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। इस आयोजन में 15,000 से अधिक सदस्य, उद्योग जगत के नेता और विशेषज्ञ शामिल हुए, जिन्होंने निर्माण क्षेत्र में नवाचार, ज्ञान-विनिमय और भारत के बुनियादी ढांचे के विकास पर विचार-विमर्श किया।

प्रसिद्ध वास्तुकार प्रोफेसर चरणजीत सिंह शाह, जो 'एयरपोर्ट किंग ऑफ इंडिया' के नाम से जाने जाते हैं, उन्होंने सभा को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया।

शाह ने निर्माण उद्योग में नए कौशल और तकनीक के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, "प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत 2047' मिशन को प्राप्त करने के लिए हमें अपने श्रमिकों को ऑटोकैड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उन्नत कौशल से लैस करना होगा। यह सिर्फ तकनीक को उन्नत करने की बात नहीं है, बल्कि श्रमिकों को सशक्त बनाने की भी आवश्यकता है।"

क्लब एनपीसी इंडिया के अध्यक्ष, योगेश जगतरामका

ने कार्यक्रम की शुरूआत में संगठन के मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "हम एक ऐसा नेटवर्क बनाना चाहते हैं जो भारत को आगे बढ़ा सके। हम एक परिवार हैं, जो जनता का, जनता के लिए, और जनता द्वारा है। मिलकर हम भारत के निर्माण और बुनियादी ढांचे का भविष्य बदल सकते हैं।"

उपाध्यक्ष करन अरोड़ा ने आत्म-अन्वेषण और शिक्षा के महत्व पर बल दिया, "हमारा ध्यान अपने कौशल और ज्ञान को उन्नत करते रहना है, ताकि हम निर्माण उद्योग में अग्रणी बने रहें।"

सचिव श्रीमती रीतु भटनागर ने क्लब के माध्यम से बने रिश्तों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, "ये दोस्ती और आपसी संबंध न केवल हमारे पेशेवर जीवन को बल्कि हमारे व्यक्तिगत जीवन को भी समृद्ध बनाते हैं।" कोषाध्यक्ष और निदेशक वित्त मोहम्मद परवेज ने क्लब एनपीसी के सदस्यों की महामारी के दौरान की गई सेवा को सराहा। उन्होंने कहा, "हमारे सदस्यों ने कोरोना योद्धाओं की तरह काम किया, यह सुनिश्चित किया कि महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाएं चुनौतीपूर्ण समय में भी जारी रहें।"

क्लब एनपीसी का यह आयोजन निर्माण उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, जिसमें भविष्य के नवाचारों, तकनीकी उन्नति और सहयोगी विकास की संभावनाओं पर चर्चा हुई। यह आयोजन भारत के निर्माण क्षेत्र को मजबूत करने और भविष्य में और बड़े बदलावों का आधार तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सिद्धारमैया के पक्ष में खड़े हुए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे

क्या गोधरा कांड के बाद मोदी ने दिया था इस्तीफा?

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा सीएम सिद्धारमैया को घातक झटका देने और उनके खिलाफ एमयूडीए घोटाले के आरोपों की जांच की अनुमति देने के कुछ दिनों बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने घोषणा की कि पार्टी सिद्धारमैया के साथ एकजुटता से खड़ी है और सीएम के इस्तीफे की मांग को खारिज कर दिया। कांग्रेस पार्टी प्रमुख ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान 2002 के गोधरा दंगों को याद किया और कहा कि उन्होंने आधुनिक भारत की सबसे घातक घटनाओं में से एक के बावजूद

भी इस्तीफा नहीं दिया था।

खड़गे ने सवाल करते हुए कहा कि जब गोधरा कांड हुआ तो क्या पीएम मोदी ने इस्तीफा दिया था? किसी व्यक्ति विशेष की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए उसे निशाना न बनाएं क्योंकि उनके (कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया) माध्यम से पार्टी की छवि को भी नुकसान होगा। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे सिर्फ कांग्रेस पार्टी को नष्ट करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। कानून को अपना काम करने दीजिए। मैं प्रतिदिन MUDA के बारे में सुनकर तंग आ गया हूँ। हम उनके साथ खड़े हैं और हम उनका समर्थन करेंगे क्योंकि वह हमारी पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने बार-बार कहा कि कानून अपना काम करेगा। जरूरी नहीं है कि सरकार इस पर प्रतिक्रिया दे क्योंकि वह एक स्वायत्त संस्था है, उन्होंने जो भी किया है, वह सही है या गलत, उस पर कार्रवाई कर सकती है। वह एक बात है। उन्होंने कहा कि यदि सिद्धारमैया ने व्यक्तिगत रूप से कोई अपराध किया है, तो वह जिम्मेदार हैं, लेकिन उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है। उनका (भाजपा) मुख्य उद्देश्य कांग्रेस पार्टी को बदनाम करना है, यह उचित नहीं है, उनके (सिद्धारमैया) पद से इस्तीफा देने का कोई सवाल ही नहीं है।

भुवन करण सिंह तंवर ने मोदी के जन्मदिन पर किया सेवा कार्य

दिल्ली प्रदेश भाजपा के युवा नेता और सह-संयोजक लीगल सेल भुवन करण सिंह तंवर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा भाव के साथ दिल्ली कैंट स्थित केन्द्रीय विद्यालय नंबर 1 के छात्रों में दोपहिया हेलमेट वितरित किए। यह हेलमेट राइडर हेलमेट है और बच्चों के लिए ही मैन्युफैक्चर्ड है।

भुवन करण सिंह तंवर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने नेतृत्व में देश को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है। उनकी दूरदर्शी सोच और सेवा भाव से देश के हर वर्ग को प्रेरणा मिली है। आज का यह कार्यक्रम उनकी प्रेरणा से ही संभव हुआ है।

इस कार्यक्रम में संदीप तंवर, अभिषेक लोहीया, खेमपाल (सदस्य, TVC NDMC), बलवान यादव और संतोष भी उपस्थित रहे।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (एंटी करप्शन) मधुर वर्मा ने सिविल लाइन में दिल्ली पुलिस की मेस में दिल्ली के सभी कुश्ती अखाड़ों के मुख्य को बुलाकर सम्मानित किया, जिसमें सभी पहलवानों ने भाग लिया एवं कुश्ती को कैसे बढ़ावा दिया जाये. क्योंकि कुश्ती पहले से कम होती जा रही है इस विषय पर अपने विचार रखे।

इस अवसर पर मधुर वर्मा ने कहा कि कुश्ती से न केवल व्यक्ति शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी स्वस्थ होता है, उन्होंने कहा कि मैच में असफल होने के बाद भी पहलवान विनम्र, आत्मविश्वासी और आत्म-सुधार के प्रति समर्पित रहते हैं उन्होंने यह भी कहा कि वह खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। इस अवसर पर भारतीय शैली कुश्ती संघ के महासचिव और एरा फाउंडेशन के चेयरमैन रिंकू आर निगम, अध्यक्ष अंकुश अग्रवाल, अर्जुन अवार्डी राजीव तोमर और कई उस्तादों और खलीफाओं ने मधुर वर्मा को कुश्ती की पहचान मानी जाने वाली चांदी की गदा भेंट की। वरिष्ठ पत्रकार एवं एरा फाउंडेशन के महासचिव डॉ. सुनील पाराशर ने वर्मा के साथ एरा फाउंडेशन स्मारिका 2024 का पोस्टर जारी किया।

उत्तराखण्ड रंगमंच एवं फिल्म दिशा और दशा विषय पर परिचर्चा

पर्वतीय लोक कला मंच दिल्ली और जोधा फि ल्म्स के संयुक्त तत्वावधान में 'उत्तराखण्ड रंगमंच एवं फिल्म - दिशा और दशा' विषय पर एक खुली परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम इंटरनेशनल यूथ हॉस्टल के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता प्रतिष्ठित समीक्षक और संगीत नाटक अकादमी से सम्मानित दीवान सिंह बजेली ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे नरेंद्र सिंह लडवाल, चेयरमैन, सीहॉक ग्रुप।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से मिताक्षी कर्नाटक ने किया । पर्वतीय लोक कला मंच की 37 वर्षों की यात्रा को एक वृत्तचित्र के माध्यम से दशार्या गया। कार्यक्रम में कई प्रमुख वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए, जिनमें भूपेश जोशी, डा॰ हरिसुमन बिष्ट, सुशीला रावत, डा॰ कमल कर्नाटक, राकेश गौड़, मनोज चंदोला, संजय जोशी, हेम पंत, दिनेश फुलारा, लक्ष्मी रावत, सी एम पपने और कई अन्य शामिल थे।

वक्ताओं ने उत्तराखण्ड रंगमंच और फि ल्म जगत के सामने आने वाली चुनौतियों पर

फ़ोटो : जगन नेगी

विचार-विमर्श किया। उन्होंने इस क्षेत्र की असीम संभावनाओं की चर्चा की और सुझाव दिया कि इनका सही तरीके से दोहन किया जाना चाहिए। चर्चा के मुख्य बिंदु उत्तराखण्ड के कलाकारों को उचित भुगतान और अपने हुनर को निखारने के लिए बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए।

डिजिटल तकनीकों के प्रयोग से उत्पादन लागत को कम किया जा सकता है, जिससे कलाकारों को बेहतर भुगतान संभव हो सके। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी का सही उपयोग हो और इसका दुरुपयोग न हो। फि ल्मों की कहानियों में वर्तमान वास्तविकताओं और उत्तराखंड के कथानक को प्रतिबिंबित किया जाना चाहिए और उन्हें बेहतर ढंग से प्रचारित किया जाना चाहिए। विभिन्न थिएटर और फिल्म समूहों को मिलकर सामूहिक प्रयास करने चाहिए ताकि उत्तराखण्ड रंगमंच और फि ल्म को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके। इस कार्यक्रम में उत्तराखण्ड के प्रमुख फि ल्म निमार्ताओं और रंगमंच से जुड़ी हस्तियों ने भाग लिया।

मंच संचालन हेम पंत ने किया। यह आयोजन पर्वतीय लोक कला मंच द्वारा आयोजित किया गया, जो पिछले 37 वर्षों से दिल्ली-एनसीआर में उत्तराखण्ड रंगमंच की धरोहर को आगे बढ़ा रहा है। मंच की स्थापना 1987 में हुई थी और तब से यह संस्था उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक पहचान को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर सक्रिय है।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल दिल्ली में हरिजन सेवा संघ द्वारा आयोजित सद्भावना सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर रूरल चैंबर ऑफ कॉमर्स ऑफ इंडिया द्वारा युवाओं के लिए विशेष सत्र का भी आयोजन किया गया।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और सद्भावना के मार्ग पर चलकर ही देश का विकास हो सकता है। उनके आदर्शों पर चलकर हम एक समाज का निर्माण कर सकते हैं जहां शांति और सहिष्णुता हो।

विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी को झटका-सुनील जाखड़ ने दिया इस्तीफा

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

हरियाणा विधानसभा चुनाव का प्रचार जोरों पर है इसी बीच बीजेपी को जोरदार झटका लगा है। पंजाब में पंचायत चुनाव से पहले बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें एक साल पहले ही इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पार्टी सूत्रों से पता चला है कि अभी उनका इस्तीफा मंजूर नहीं किया गया है।

इस्तीफे को लेकर सुनील जाखड़ से संपर्क करना चाहा लेकिन उनका फोन नहीं उठा। वहीं इस खुलासे से पंजाब बीजेपी में हलचल मची गई है। पंजाब बीजेपी के जनरल सेक्रेटरी अनिल सरीन ने कहा कि सुनील जाखड़ ने इस्तीफा नहीं दिया है। यह अफवाह है। जानकारी के मुताबिक वह रवनीत सिंह बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाए जाने से नाराज चल रहे थे। बिट्टू लोकसभा चुनाव हार गए थे। हालांकि, बाद में उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा गया। इसके अलावा वह पंजाब में बीजेपी नेताओं के कामकाज के तरीके से भी नाराज हैं।

इस बारे में जाखड़ पिछले

हफ्ते पीएम मोदी के साथ एक बैठक में पद छोड़ने की इच्छा जता चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक जाखड़ ने जुलाई महीने से ही पार्टी से दूरी बनानी शुरू कर दी थी। हालांकि, बीजेपी के सदस्यता अभियान की शुरूआत के समय वह मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पंचायत चुनाव पर चर्चा और तैयारियों को लेकर पार्टी कार्यालय में बैठक रखी हुई। इसमें भी वह नहीं आए। जब बीजेपी के किसी वरिष्ठ नेता ने उन्हें फोन किया तो उनका जवाब था कि वह बैठक में शामिल नहीं होंगे और आगे भी किसी भी बैठक में नहीं आएंगे। इससे पहले जालंधर विधानसभा के उपचुनाव के बाद उनकी तरफ से पीएम मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को बताया था कि वह प्रधान पद पर नहीं रहना चाहते। जानकारों के मुताबिक जाखड़ के इस्तीफे देने की कई वजह हैं, क्योंकि उनकी लाइन बीजेपी से अलग रही है। लोकसभा चुनाव में वह चाहते थे कि बीजेपी अकाली दल के साथ मिलकर चुनाव लड़े लेकिन बात नहीं बनी। दूसरा बीजेपी के पुराने नेता भी उनसे असहज महसूस कर रहे थे। वह हमेशा कहते हैं कि बाहर से आए लोगों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। जाखड़ जिस हिसाब से पंजाब संगठन में बदलाव चाहते हैं, उससे प्रदेश के नेताओं के अलावा केंद्रीय नेतृत्व भी सहमत नहीं है। जाखड़ का मानना है कि वह अपने हिसाब से काम नहीं कर पा रहे हैं।

मोदी बदल चुके हैं-हमने उन्हें मनोवैज्ञानिक रूप से तोड़ दिया

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ में चुनावी रैली की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला और कहा कि अब वह बदल गए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आज वह पहले वाले नरेंद्र मोदी नहीं रहे। हमने उन्हें मनोवैज्ञानिक रूप से पराजति कर दिया है।

पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में एनसी-कांग्रेस की रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर और अन्य राज्यों में भाजपा और आरएसएस के लोग नफरत और हिंसा फैलाते हैं। वे भाई को भाई से लड़वाते हैं। वे केवल नफरत फैलाना जानते हैं। उनकी राजनीति नफरत पर आधारित है। नफरत को नफरत से नहीं हराया जा सकता। इसे केवल प्यार से ही हराया जा सकता है। एक तरफ नफरत फैलाने वाले लोग हैं और दूसरी तरफ हम हैं, जो प्यार की दुकान खोलना चाहते हैं। अपनी भारत यात्रा के दौरान हमने भारत के हर राज्य में प्यार की दुकान खोली।'

राहुल गांधी ने कहा,'आज के नरेंद्र मोदी पहले के मोदी की छाया भी नहीं हैं। वे कानून लाते हैं और हम उनका विरोध करते हैं और अब वे कानून पारित नहीं कर सकते। हमने नरेंद्र मोदी के मनोविज्ञान को हरा दिया है। जब लोकसभा चुनावों के दौरान उन पर दबाव आया, तो उन्होंने कहा कि वे 'बायोलॉजिकल' नहीं हैं और भगवान से सीधे जुड़े होने का दिखावा करने लगे। यह दशार्ता है कि हमने अपने प्यार से उनके नफरत को हराकर उन्हें मनोवैज्ञानिक रूप से तोड़ दिया है।'

राहुल गांधी ने कहा, 'भारत में, राज्यों से केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाते हैं, राज्यों को दो भागों में विभाजित किया जाता है, लेकिन हमारे संवैधानिक इतिहास में कभी भी किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में नहीं बदला गया। आज आपका लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिया गया है। हम उन पर आपका राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए दबाव डालेंगे।'

कांग्रेस नेता ने कहा, 'आज आपके सभी फैसले दिल्ली से लिए जाते हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि आपके फैसले जम्मू-कश्मीर में लिए जाएं। हम चुनाव से पहले राज्य का दर्जा चाहते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। वे लोगों को क्षेत्र, भाषा और समुदाय के आधार पर बांटते हैं। वे गुज्जरों और पहाड़ियों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। हम सभी को साथ लेकर चलेंगे, सभी को उनके अधिकार देंगे और एक साथ आगे बढ़ेंगे।'

रोजगार को लेकर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, ''पूरे देश में नरेंद्र मोदी केवल दो से तीन अरबपतियों की मदद करते हैं। उन्होंने अरबपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये के कर्ज माफ कर दिए। उन्होंने छोटे उद्योगों को खत्म कर दिया, इस वजह से जम्मू-कश्मीर सहित पूरे देश में रोजगार उपलब्ध नहीं है।'

गांधी ने कहा, 'कांग्रेस उम्मीदवार यहां से चुनाव लड़ रहे हैं और एनसी हमारा समर्थन कर रही है। मैं अपने सभी कार्यकताओं से अपील करता हूं कि वे एनसी उम्मीदवारों का समर्थन करें, चाहे वे कहीं भी चुनाव लड़ रहे हों।'

बता दें कि राहुल गांधी के साथ सुरनकोट में कांग्रेस की चुनावी रैली में नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला भी शामिल हुए। अब्दुल्ला ने कहा, 'भारत के भावी प्रधानमंत्री राहुल गांधी आज यहां हैं और हमारी लड़ाई भाजपा और आरएसएस द्वारा फैलाई गई नफरत के खिलाफ है। उन्होंने पहले लोगों को धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश की और अब वे हमें समुदायों के नाम पर बांटना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि मुसलमान घुसपैठिए हैं और वे बहुत सारे बच्चे पैदा करते हैं। वह हमारी हिंदू बहनों और बेटियों से कहते हैं कि मुसलमान उनका 'मंगलसूत्र' छीन लेंगे। हमने इस दुष्प्रचार से लड़ने के लिए हाथ मिलाया है। मैं भाजपा उम्मीदवार चौधरी अकरम से अनुरोध करता हूं कि वे चुनाव से हट जाएं और सुरनकोट में एनसी-कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करें। अगर आप नफरत को खत्म करना चाहते हैं, तो कांग्रेस को अपना वोट दें।'

अब्दुल्ला ने कहा, 'राहुल गांधी कहते हैं कि वे नफरत की दुकान बंद करना चाहते हैं और हम उसमें यह भी जोड़ते हैं कि हम नफरत की नाव को डुबोना चाहते हैं।' उन्होंने मतदाताओं से इस विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार शाहनवाज चौधरी के पक्ष में मतदान की अपील की।

यूपी अंतरराष्ट्रीय व्यापार शो में छाई रही 'मोड रिटेल्स' अगरबत्ती की खूशबू

॥ मनोज शर्मा ॥

मोड रिटेल्स उत्तर प्रदेश और भारत का पहला लक्जरी अगरबत्ती ब्रांड, अपने कहानियों की खुशबू संग्रह के साथ यूपी अंतरराष्ट्रीय व्यापार शो में बड़ा प्रभाव डाला । यह संग्रह भारतीय संस्कृति और परंपरा से प्रेरित है। दर्शक हॉल नंबर 15, स्टॉल नंबर H15/07/03 में जाकर उनके पुरस्कार विजेता उत्पादों का अनुभव कर सकते हैं।

मोड रिटेल्स विभिन्न अगरबत्ती संग्रह प्रस्तुत करता है, जिनमें शामिल हैं:

* रामायण संग्रह
* लाइफ एंड गॉड संग्रह
* इनक्रेडिबल संग्रह
* मंदिर संग्रह
* एक्सोटिक संग्रह

प्रत्येक संग्रह भारतीय पौराणिक कथाओं, कला और संस्कृति से प्रेरित है और इन कहानियों को सुगंध के माध्यम से जीवंत करता है। Mode Retails के सीएमडी प्रशांत कुमार ने कहा, 'हम चाहते हैं कि हमारी अगरबत्तियाँ कहानियाँ सुनाएँ। भारत में अगरबत्तियाँ हमेशा से विशेष रही हैं, लेकिन इन्हें लक्जरी उत्पाद के रूप में नहीं देखा गया। हमारा उद्देश्य इसे बदलना है और हम प्रीमियम अगरबत्तियाँ पेश कर रहे हैं जो भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को उजागर करती हैं।'

मोड रिटेल्स ने अब तक 10 लाख से अधिक ग्राहकों तक अपनी पहुँच बनाई है, और उनके उत्पाद भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में पहले ब्रांड के रूप में, उनका लक्ष्य भारत और दुनिया भर के लोगों में भारतीय संस्कृति के प्रति गर्व की भावना पैदा करना है।

मोड रिटेल्स आध्यात्मिक प्रथाओं और आधुनिक जीवनशैली दोनों के लिए उत्पाद बनाता है, जो उन्हें लक्जरी बाजार में आगे बढ़ने में मदद करता है। भारत में लक्जरी सेक्टर जैसे कारों और फैशन में विस्तार हो रहा है और मोड रिटेल्स इस बढ़ते उद्योग का हिस्सा बनने की दिशा में अग्रसर है।

मोड रिटेल्स जल्द ही आध्यात्मिक शहरों और बड़े मेट्रो क्षेत्रों में अपनी खुद की रिटेल चेन 'रामालय' लॉन्च करेगा। रामालय में वही लक्जरी अगरबत्ती संग्रह उपलब्ध होंगे, जो अधिक लोगों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक कहानियों से जोड़ने में मदद करेंगे।

प्रशांत कुमार ने कहा, "भारत में लक्जरी उत्पादों का भविष्य उज्ज्वल है, खासकर अगरबत्ती बाजार में। हम उन उत्पादों की बढ़ती मांग देख रहे हैं जो एक गहरा सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करते हैं।"

डीसीआईएल ने स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया

॥ मृगांक प्रभाकर ॥

डीसीआईएल ने स्वास्थ्य कर्मियों और डीसीआईएल कर्मचारियों के लिए 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया।

राष्ट्रीय 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अनुरूप, ड्रेजिंग कापोर्रेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीसीआईएल) ने सफाई और स्वच्छता के अंतर्गत अपने कार्यबल की भलाई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, स्वास्थ्य कर्मियों और डीसीआईएल कर्मचारियों के लिए एक व्यापक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया।

डीसीआईएल मुख्यालय में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर, प्रतिभागियों के लिए निवारक स्वास्थ्य देखभाल उपायों, सामान्य स्वास्थ्य जांच और जागरूकता सत्र पर केंद्रित था। इस पहल का उद्देश्य है – कर्मचारियों और स्वास्थ्य कार्यकताओं को राष्ट्रीय स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता प्रथाओं को बनाए रखते हुए अपने स्वास्थ्य की देखभाल हेतु सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करना।

स्वास्थ्य शिविर के मुख्य अंश चिकित्सा जांचः रक्तचाप, शर्करा स्तर, बीएमआई और बुनियादी स्वास्थ्य जांच सहित सामान्य स्वास्थ्य मूल्यांकन, डॉक्टरों और चिकित्सा पेशेवरों की एक टीम द्वारा आयोजित किया गया था।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत डीसीआईएल द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर के सफल कार्यान्वयन पर बोलते हुए डीसीआईएल और वीपीए के अध्यक्ष डॉ एम अंगामुथु, भा.प्र.से. और डीसीआईएल के एमडी और सीईओ, आईआरटीएस, दुर्गेश कुमार दुबे ने कहा, "हमारे कर्मचारियों का स्वास्थ्य और खुशहाली हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस स्वास्थ्य शिविर जैसी पहल के माध्यम से, हमारा लक्ष्य स्वच्छता के मूल संदेश को बढ़ावा देने के साथ-साथ एक स्वस्थ कार्यबल बनाना है जो 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का अभिन्न अंग है, और यह स्वच्छ और स्वस्थ भारत की दिशा में हमारा योगदान है।"

स्वास्थ्य शिविर को खूब सराहना मिली, जिसमें बड़ी संख्या में डीसीआईएल कर्मचारियों और स्वास्थ्य कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन के समर्थन में डीसीआईएल के व्यापक प्रयासों का भाग था, जिसका उद्देश्य पूरे देश में स्वच्छ वातावरण को प्रोत्साहित करना और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है।

महात्मा गांधी जी के विचारों पर आधारित सुराज्य नहीं स्वराज्य चाहिए फिल्म 'प्रयोग'

मदारी आर्ट्स के द्वारा निर्मित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों पर आधारित हमें सुराज्य नहीं स्वराज्य चाहिए का संदेश देती हुई निर्देशक गोविंद मिश्रा एवं आनंद कुमार गुप्त द्वारा अभिनीत फिल्म 'प्रयोग' का प्रदर्शन हो रहा है ।

फिल्म प्रयोग राष्ट्रीय सदभावना हिंदू , मुस्लिम, सिख, इसाई। आपस में है भाई – भाई।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों और देश के देव तुल्य जनता को अपने अधिकार मांगने का संदेश पर आधारित फिल्म का प्रचार इन दोनों किया जा रहा है, जिसका बहुत अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है

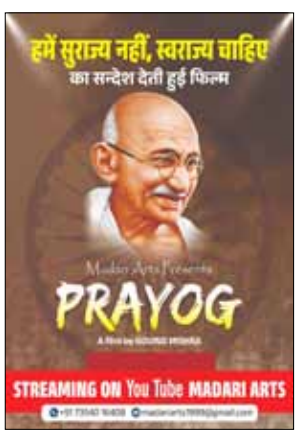

बेहद ही गंभीर विषय पर बनी यह फिल्म सार्थक संदेश देने का कार्य कर रही है ।

इस संबंध में मदारी आर्ट्स के आनंद कुमार गुप्त ने बताया की हमारा देश भारत आजादी का 78 साल पूरा कर चुका है, आज हम दुनिया के विकसित देशों की श्रेणी में आते हैं, लेकिन उसी गति से हमारे देश में चोरी, डकैती, गुंडागर्दी, बलात्कार, आतंकवाद, नक्सलवाद और भ्रष्टाचार के मामले भी बड़े हैं। ऐसा लगता है कि हमारा जो सिस्टम है, इसमें कुछ ना कुछ गड़बड़ है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी चाहते थे कि इस देश का संविधान मौलिक हो, स्वदेशी हो, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। गांधी जी यह भी चाहते थे कि गरीबी और अमीरी के बीच में भेद न हो । गरीब से गरीब व्यक्ति भी इसे अपना देश समझे, लेकिन किसी कारण से ऐसा नहीं हो सका ।इसलिए गांधी के विचार आज भी प्रासंगिक है और उनके विचारों का फिर से एक बार देश में प्रयोग करना चाहिए, यही इस फिल्म का संदेश है ।

आनंद ने यह भी बताया कि देश की देवतुल्य जनता वोट देती है, सरकार चुनती है और फिर 5 साल तक वह कुछ नहीं कर पाती, चुने हुए जनप्रतिनिधि सेवक की जगह अपने आप को मलिक मान लेते हैं। ऐसी स्थिति में जनता के पास यह अधिकार होना चाहिए कि अगर कोई जनप्रतिनिधि ठीक से काम नहीं कर रहा है, तो उसे वापस बुला सके अर्थात पावर ऑफ रिकॉल होना चाहिए।

भूपिंदर हुड्डा ने पार्टी के भीतर किसी भी मतभेद से किया इनकार

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

हरियाणा में सियासी दंगल के बीच कांग्रेस के भीतर की मतभेद को लेकर चर्चा तेज है। इन सबके बीच पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कांग्रेस के भीतर किसी भी मतभेद को खारिज कर दिया है। भूपिंदर सिंह हुड्डा ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस नेता शुरू से ही एकजुट रहे हैं और कांग्रेस में कोई उदासीनता नहीं है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भारी बहुमत के साथ कांग्रेस की सरकार बनेगी। हुड्डा ने निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा को बताना चाहिए कि उन्होंने पिछले 10 वर्षों में क्या किया है?

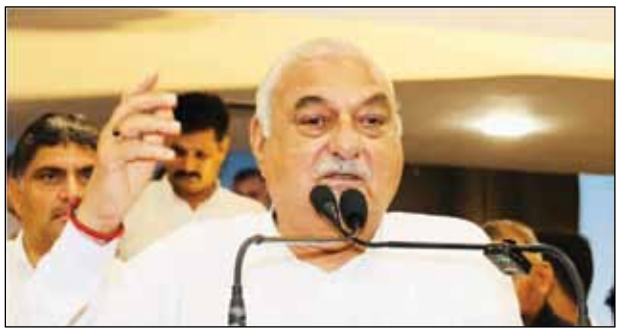

उनके पुत्र एवं सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा को मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप देखे जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह खुद न तो 'टायर्ड' हैं और न ही 'रिटायर्ड' हैं। कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा की कथित नाराजगी को लेकर भी उनसे पूछा गया। इसका जवाब देते हुए उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह मीडिया द्वारा पैदा किया हुआ है, यह कोई प्रकरण नहीं है। कांग्रेस एकजुट है। इस सवाल पर कि क्या अब सब कुछ ठीक है तो हुड्डा ने कहा, पहले भी सब कुछ ठीक था और आज भी है। मुख्यमंत्री पद की दावेदारी से जुड़े सवाल पर हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री चयन की एक स्थापित प्रक्रिया है और पार्टी आलाकमान जो भी फैसला करेगा, उन्हें मंजूर होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की एक पद्धति है। विधायक चुने जाएंगे।

पर्यवेक्षक आएंगे, विधायकों का मत लेंगे और फिर आलाकमान फैसला करेगा। वे (आलाकमान) जो भी फैसला करेंगे, मुझे स्वीकार होगा। इससे एक दिन पहले सैलजा ने भी कहा था कि मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस आलाकमान का फैसला उन्हें स्वीकार होगा।

प्राक्कलन समिति के बाद संसद की दो स्थाई समितियों में सदस्य बने बृजमोहन

छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल को संसद की दो स्थाई समितियां में सदस्य मनोनित किया गया है। इस संबंध में कल आदेश जारी हुआ। अग्रवाल पहले ही लोकसभा की सबसे महत्वपूर्ण प्राक्कलन समिति के सदस्य बनाए जा चुके है। ऐसे में अग्रवाल को सदन की तीन अहम कमेटियों में लिया जाना यह बताता है कि उनके 40 वर्षों के संसदीय कार्य के अनुभवों का लाभ केंद्रीय योजनाओं में लिया जाएगा।

बृजमोहन अग्रवाल को कैमिकल्स एवं फर्टिलाइजर कमेटी तथा शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, युवा एवं खेल की स्थाई समिति में सदस्य मनोनित किया गया है।

यह स्थाई समितियां संसद के अंदर ही गठित की गई ऐसी समितियां होती हैं जो किसी विशेष विषय या मंत्रालय से संबंधित मामलों पर गहराई से अध्ययन करती हैं। ये समितियां सरकार द्वारा पेश किए गए विधेयकों का विस्तृत अध्ययन करती हैं और उनमें सुधार के

लिए सुझाव देती हैं। किसी मुद्दे पर या विधेयकों पर पक्ष और विपक्ष में होने वाले गतिरोध को दूर करने के लिए भी संसद की स्थायी समिति अपनी भूमिका अदा करती है।

उक्त समितियों के अलावा श्री अग्रवाल जिस प्राक्लन समिति में सदस्य है उसका उद्देश्य सरकारी मंत्रालयों और विभागों के कामकाज की जांच करना है, जो व्यय और धन के उपयोग के संदर्भ में हैं।

समिति प्रशासन में दक्षता और अर्थव्यवस्था के लिए वैकल्पिक नीतियों का सुझाव भी देता है। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल को केंद्र सरकार ने विभिन्न समितियां में स्थान देकर उनके 40 वर्षों के संसदीय कार्यों का सदुपयोग करना चाहती है।

रोहन का 'लारियां' बनी लोगों की पसंद पम्मा ने किया सम्मानित

युवा गायक रोहन कुमार को फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा ने सम्मानित करते हुए उन्होंने कहा रोहन इन दिनों युवाओं के दिलों अपनी पहचान बना ली है जब से रोहन कुमार का नया गीत लारियां आया है। वह गीत काफी पसंद किया जा रहा है। रोहन कुमार ने कहा मेरा मकसद होता है युवाओं में नए-नए गीत में पेश करूं इसके गीतकार अभी वकास, सहयोगी गीतकार आदिल खान है इस गाने में रोहन व कविता राजपूत न्यू वीडियो शूट किया है संगीत जीतू गाबा, निमार्ता सुरेखा, रचना रामेश्वर शरण, निर्देशक नरेश शाह ने की है। रोहन ने बताया उनके पहले भी कई गीत और भजन आ चुके हैं।

दिव्यांग कैम्प का आयोजन

अखिल भारतीय संस्था तरुण मित्र परिषद, दिल्ली द्वारा यहां एक निःशुल्क विराट दिव्यांग कैम्प का आयोजन किया गया। श्री दिगम्बर जैन पारसनाथ बड़ा मंदिर, तालबेहट मे आयोजित कैम्प का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष पुनीत सिंह परिहार ने कहा कि तरुण मित्र परिषद ललितपुर जिले मे निरन्तर दिव्यांग कैम्प लगाकर सराहनीय कार्य कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर के अध्यक्ष अरुण कुमार जैन ने की। परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि रविन्द्र जैन व राजीव जैन सर्राफ, छपरौली के सहयोग से आयोजित इस 52वें दिव्यांग कैम्प में 14 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग (हाथ व पैर), 15 पोलियोग्रस्त बच्चों को कैलिपर्स, 8 ऑथोर्शूज (जूते) 10 स्टिक, 2 वॉकर, 4 जोड़े बैसाखियां आदि व 10 श्रवणहीन बुजुर्गों को श्रवणयंत्र प्रदान करने हेतु चयन कर नाप लिया गया। संयोजक समकित जैन के अनुसार ये सभी सहायक उपकरण दिल्ली स्थित कार्यशाला में बनाकर 15 अक्टूबर को यहीं वितरित किए जांएगे। इस अवसर पर परिषद के सहसचिव आलोक जैन, मुख्य सहयोगी रविन्द्र कुमार जैन, पूर्व पार्षद चक्रेश जैन, सुरेश बाबू जैन एडवोकेट, मंदिर महामंत्री अजय जैन, नितिन जैन, नीलू जैन आदि समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंत में परिषद के महासचिव अशोक जैन ने मंदिर समिति व पार्षद चक्रेश जैन के सहयोग के प्रति आभार प्रकट किया।

तीर्थंकर पार्श्वनाथ पर जारी होगा डाक टिकट

जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान श्री पार्श्वनाथ के 2900वें जन्मोत्सव और 2800वें निवाणीत्सव उत्सव वर्ष के अवसर पर भारत सरकार द्वारा स्मारक डाक टिकट जारी किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर से भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अनुरोध पर केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पत्र के माध्यम से यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि कि जैन समाज ने कुछ समय पहले केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समक्ष तीर्थंकर पार्श्वनाथ पर स्मारक डाक टिकट जारी करने की मांग रखी थी।

श्रमण डॉ पुष्पेंद्र ने बताया कि तीर्थंकर पार्श्वनाथ का जीवन अहिंसा और करुणा का आदर्श माना जाता है। 70 वर्ष पर्यंत सम्पूर्ण भारत में अहिंसा का ध्वज लहराकर प्राणी मात्र को जागृत व प्रबुद्ध किया। अंधविश्वासों, कुरीतियों व कुटील जड़ताओं को समाप्त करके सम्यग्दर्शन के दीप घर-घर में प्रज्वलित करते हुए अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह का मार्ग दिखाया है, उन पर डाक टिकट जारी होना समस्त जैन समाज के लिए हर्ष और गौरव की बात है।

ज्ञातव्य हो कि आगामी 25 दिसम्बर 2024 (पौष कृष्णा दसम) को तीर्थंकर भगवान श्री पार्श्वनाथ का 2900वां जन्म कल्याणक महोत्सव पूरे देश में हर्षोल्लास से मनाया जाएगा ।

हरिजन सेवक संघ का 92वां स्थापना दिवस समारोह

इस अवसर पर संघ के राष्ट्रीय कार्यालय किंगजवे कैंप गाँधी आश्रम के प्रांगण में उदघाटन पर विचार गोष्ठी रखी गयी, इस दौरान संत श्री गुरु रविदास जन कल्याण समिति दिल्ली -93 के मुख्य संरक्षक पटेल रामदास मंडराई ने कार्यक्रम के सभागार मे डाक्टर भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर अच्छे विचार रखने पर,संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सम्माननीय प्रोफेसर, डाक्टर शंकर कुमार सन्याल को रविदास समिति दिल्ली 93 की ओर से सम्मान पत्र दिया गया, समारोह मे उपस्थित प्रोफेसर। डाक्टर नीलम अरोड़ा संघ संयुक्त सचिव दिल्ली प्रदेश को भी प्रशस्ति पत्र देकर व दलित संगठनों को आमंत्रित करने के लिए सम्मान के साथ धन्यवाद दिया।

मंडराई ने बताया कि डा. भीमराव अम्बेडकर और गांधी जी के मध्य पूना की यारवदा जेल मे समझौता होने के उपरांत देश भर में दलित सुधार की मांग उठी तब 30/09/1932 में दलित सुधार के लिए संगठन बनाने के लिए ,डाक्टर भीमराव अम्बेडकर और एम सी राजा ने दलितों की ओर से और सवर्णो की ओर से मदन मोहन मालवीय ने हस्ताक्षर किये, जिससे "अश्प्रश्यता निवारण संघ " की स्थापना की गयी जिसमें डाक्टर अम्बेडकर फाउंडर मेंबर है, जिसका बाद में नाम बदलकर "हरिजन सेवक संघ " रखा, ऐसा प्रतीत होता है कि संघ में हरिजन शब्द से संघ का नाम रखने से उन्होंने 1933 में वर्तमान मे भी सुप्रीम कोर्ट ने हरिजन शब्द लिखने, बोलने पर प्रतिबंध लगा रखा है फिर संघ को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए, पहले रखा

गया " अश्प्रशयता निवारण संघ रखना चाहिए। संघ में बीते 80 वर्ष तक किसी भी दलित को संघ में नहीं रखा गया, संघ की स्थापना के 80 वर्ष पश्चात सन 2013 में गुजरात से SC समाज के राजू परमार को राष्ट्रीय संयुक्त सदस्य बनाया गया और दिल्ली से सुरेन्द्रसिंह को संयुक्त सचिव बनाया गया है। दलितों के लिए कितना क्या करना हैं यह संघ में उच्च पद पर बैठे सवर्णो पर ही निर्भर है। संघ ने अनेक अवसरों पर दलित सुधार के लिए कुछ प्रशंसनीय कार्य किये, परन्तु अभी भी दलितों सुधार के लिए संघ में दलितों को शामिल करने, उनको सम्मान के साथ विचार रखने और स्वाबलम्बी बनाने के लिए सरकार से उनके अधिकार को पूरा करने की मांग की उनका जीवन स्तर सुधारने के लिए ,बहुत सुधार करना होगा, मात्र एक -दो दलित को संघ में शामिल करने से दलितों की दुर्दशा की पूरी जानकारी नहीं मिल सकेगी, वर्तमान में संघ के अध्यक्ष प्रोफेसर डाक्टर शंकर कुमार सन्याल है जिनके विरुद्ध संघ मे गबन करने के आरोप के सभा मे पर्चे मिले ' कही ऐसा तो नहीं कि दलित सुधार के लिए संघ को मिलने वाली आर्थिक मदद और संघ कि अंचल सम्पति मे घपला तो नहीं है।

गरिमा भार्गव गुरु रत्न मोहिनी सम्मान से अलंकृत

उड़ीसा, भुवनेश्वर में गुरु केलुचरण महापात्र ओड़िसी रिसर्च सेंटर उत्कल रंगमंच में कल्चरल डेवलपमेंट फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नृत्य दरबार महोत्सव में कोटा की कथक नृत्यांगना एवं गुरु गरिमा भार्गव को कथक नृत्य के क्षेत्र में सतत एवम् उत्कृष्ट योगदान और नयी पीढ़ी को कला साधना के क्षेत्र में तैयार करने हैतू गुरु रत्न मोहिनी अवार्ड से सम्मानित किया गया ।

समारोह में गरिमा भार्गव की 16 शिष्याओं ने अपनी प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों को अविभूत कर दिया । त्रिनेत्रा कथक अकादमी की इन छात्राओं ने समारोह में दो प्रस्तुतियाँ दीं जिसकी दर्शकों ने करतल ध्वनि से प्रशंसा की। प्रथम प्रस्तुति गणेश स्तुति साथ सरगम में आहना, दिव्यांशी, राशी, गर्वी, देवांशी, आराध्या, वेरोनिका, जया, ईशिता ने प्रस्तुती दी। दूसरी प्रस्तुति तीरवट में गौरांशी, नव्या, लाइशा, अनन्या, मौली, सेजल, युविका ने प्रस्तुति दी और दोनों प्रस्तुतियों में कथक नृत्य के नृत्त एवं नृत्य पक्ष को ताल लाय पे आधारित अंगसंचालन, पद्संचलन, मुद्राओं, अभिनय, जुगलबंदी आदि द्वारा खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। इस उत्सव में छात्राओं को मोहिनी नृत्य पुरस्कार प्रदान किया गया।

मन में निर्भयता और आत्मविश्वास लाती है जगत जननी मां दुर्गा की भक्ति साधना

हिंदू परंपरा के अनुसार भारतीय पर्व और त्योहारों में नवरात्रि पर्व का अत्यधिक महत्व है। यह वर्ष में दो बार आता है। दुर्गावतरण की पावन कथा भी इसके साथ जुड़ी हुई है। देवत्व के संयोग से असुर निकंदिनी महाशक्ति के उद्भव का महत्व हर युग में रहा है। युग की भयावह समस्याओं से त्राण पाने के लिए युग शक्ति के उद्भव की कामना हर मन में उठती है।

वैसे तो हिंदी वर्षानुसार वर्षा, शरद, शिशिर, हेमंत, वसंत व ग्रीष्म- छह ऋतुएं होती हैं, लेकिन मुख्य रूप से दो ही प्रधान हैं- सर्दी व गर्मी। इन दोनों प्रधान ऋतुओं की संधि बेला को नवरात्रि की संज्ञा दी गई है। दिन और रात्रि के मिलन को संध्याकाल कहते हैं। इस महत्वपूर्ण समय को ईश्वर की आराधना, भजन, संध्या, वंदन व आध्यात्मिक साधना में लगाया जाना चाहिए, क्योंकि यह समय अत्याधिक लाभदायी और कम श्रम से अधिक फल देने वाला माना गया है। संध्या काल को पुण्य पर्व भी कहा गया है।

आरोग्य शास्त्र के विद्वानों को विदित है कि आश्विन व चैत्र मास में जो सूक्ष्म परिवर्तन होता है, उसका प्रभाव शरीर पर कितनी अधिक मात्रा में पड़ता है। यह बदलाव स्वास्थ्य पर कई प्रकार से प्रभाव डालता है। अनेकानेक रोग, ज्वर, चेचक आदि मनुष्य पर हावी होने लगते हैं। वैद्य जानते हैं कि वमन, विरेचन, स्वेदन, वस्ति, रक्त मोक्षण आदि शरीर शोधन कार्यों के लिए आश्विन और चैत्र का महीना ही सर्वाधिक उपयुक्त होता है। ऐसे समय में ही साधना का महत्वपूर्ण पर्व आता है।

हिंदू परंपरा के अनुसार, भारतीय पर्व और त्योहारों में नवरात्रि पर्व का अत्यधिक महत्व है। यह वर्ष में दो बार आता है। दुर्गावतरण की पावन कथा भी इसके साथ जुड़ी हुई है। देवत्व के संयोग से असुर निकंदिनी महाशक्ति के उद्भव का महत्व हर युग में रहा है। युग की भयावह समस्याओं से त्राण पाने के लिए युग शक्ति के उद्भव की कामना हर मन में उठती है। अधिकांश लोग व्रत, उपवास एवं अनुष्ठान करते हैं। प्रतीक्षा रहती है कि कब नवरात्र आएं और हम साधना-अनुष्ठान के माध्यम से मनोवांछित फल प्राप्त कर सकें।

ऐसी मान्यता है कि देवी दुर्गा ने आश्विन मास में महिषासुर पर आक्रमण कर उससे नौ दिनों तक युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध किया था, इसलिए इन नौ दिनों को शक्ति की आराधना के लिए समर्पित कर दिया गया। आश्विन मास में शरद ऋतु का आरंभ हो जाता है, इसलिए इसे शारदीय नवरात्र भी कहा जाता है। शक्ति स्वरूपा देवी की भक्ति साधक के मन में निर्भयता और आत्मविश्वास लाती है। यह बुराइयों पर अच्छाइयों की विजय है।

यह समय गायत्री साधना के लिए भी अधिक उपयुक्त है। इन नौ दिनों में उपवास रखकर चौबीस हजार मंत्रों के जप का लघु अनुष्ठान बड़ी साधना के समान परम हितकर सिद्ध होता है। कष्ट निवारण, कामना पूर्ति व आत्मबल बढ़ाने के साथ ही साथ यह साधना सद्विवेक अर्थात प्रज्ञा का जागरण करती है। गायत्री कामधेनु हैं। नवरात्र में जो मनोयोग पूर्वक उनकी पूजा, उपासना व आराधना करता है, माता उसे अमृतोपम दुग्धपान कराती रहती हैं।

साधक के अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करके ज्ञान के प्रकाश से भर देती हैं। नवरात्र के पावन पर्व पर प्राचीन काल में एकमात्र गायत्री उपासना का प्रसंग मिलता है। विभिन्नताएं तो सामयिक देन हैं। इस पावन पर्व के साथ उच्चस्तरीय प्रेरणाएं भी जुड़ी हैं। गायत्री की शक्ति व दुर्गा का अवतरण समस्त देशवासियों का सम्मिलित स्वरूप था।

असुरों से संत्रस्त देवता ब्रह्माजी के पास जाकर निवेदन करते हैं कि हम सद्गुण संपन्न होने पर भी असुरों से क्यों हारते हैं। ब्रह्मा जी ने उत्तर दिया कि संगठन और पराक्रम के अभाव में अन्य गुण निष्प्रभावी बने रहते हैं। पराक्रमी और संगठित हुए बिना संकटों से छुटकारा एवं वर्चस्व प्राप्त नहीं कर सकते। देवता सहमत हुए और संगठित पराक्रम से ही दुर्गावतरण संभव हो सका।

आज भी वही स्थिति है। देवत्व को हारते और दैत्य को जीतते हर जगह देखा जा सकता है। कारण यह है कि आज के देव पक्ष ने संगठित होने की आवश्यकता ही नहीं समझी और न कोई शौर्य-पराक्रम ही दिखाया। इसी भोलेपन को दुर्जनों ने उनकी दुर्बलता समझ लिया और निर्द्वन्द्व होकर अनाचार करना प्रारंभ कर दिया। संक्षेप में, आज की बढ़ती हुई अपराध वृत्ति के मूल में यही एक कारण है। इसीलिए इसे समूह शक्ति के जागरण का पर्व भी कह सकते हैं।

नवरात्र उपासना से यदि सज्जनता का यानी देवत्व का संगठन खड़ा हो सके, तो समझना चाहिए कि हमारी साधना सार्थक हुई। सामूहिकता की शक्ति से सभी परिचित हैं। बिखरे हुए धर्म प्रेमियों को एक झंडे के नीचे इकट्ठा और संगठित करने का प्रयास नवरात्रि की सामूहिक साधना के माध्यम से भली प्रकार सम्पन्न किया जा सकता है।

बिखराव को संगठन में, उदासी को पराक्रम में बदलने की प्रेरणा नवरात्रि के पुरातन इतिहास का अविच्छिन्न अंग है। संगठन और पराक्रम के बिना वर्तमान युग-विभीषिकाओं का कोई समाधान भी नहीं दिखता। समय की आवश्यकता को देखते हुए नवरात्रि साधना में नवप्राण और संगठित होकर कार्य करें तो सबका हित सिद्ध हो सकता है।

संकलन: ज्योति राठौर

नवरात्रि में ना करें ये गलतियां

नवरात्रि में मां दुर्गा घर आती है। इस दौरान घर-घर में कलश स्थापना की जाती है। लेकिन नवरात्रि में आपको कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिए वरना माता रानी नाराज हो जाएंगी ।

तामसिक भोजन का सेवन न करें: नवरात्रि में आपको तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से माता रानी नाराज हो जाती है। ध्यान रखें की नवरात्रि में 9 दिनों तक आप शराब को हाथ भी ना लगाएं ।

झूठ बोलने से बचे : नवरात्रि में 9 दिनों तक आपको झूठ बोलने से बचना चाहिए वरना व्रत का पूरा फल नहीं मिलेगा।

कन्याओं का करें आदर : नवरात्रि में आपको कन्याओं का आदर करना चाहिए क्योंकि अगर आप कन्याओं का आदर नहीं करेंगे तो माता आपकी पूजा स्वीकार नहीं करेगी।

नींबू नहीं काटे : नवरात्रि में अगर आप 9 दिनों तक व्रत रख रहे हैं तो नींबू नहीं काटना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से माता रानी क्रोधित हो जाती है।

चमड़े के समान को नहीं खरीदें : नवरात्रि में नौ दिनों तक आपको चमड़े के सामान की खरीदारी नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से माता क्रोधित होती है।

दिन में नहीं सोए: नवरात्रि में जो भी व्यक्ति व्रत रख रहा है उसे दिन में नहीं सोना चाहिए।

साफ सफाई कर रखें विशेष ख्याल : नवरात्रि में माता रानी घर-घर पधारती है इसलिए साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए वरना माता क्रोधित हो जाती है।

ना करें किसी का अपमान: नवरात्रि में नौ दिनों तक आपको किसी का अपमान नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से आपका पूजा पूर्ण नहीं माना जाएगा।

राशिफल साप्ताहिक

29 सितम्बर से 05 अक्तूबर 2024

मेष: इस सप्ताह करियर में अपना दायरा बढ़ाने में सफल रहेंगे, कार्यक्षेत्र में कई कामों की कमांड अपने हाथों में ले सकते हैं। व्यापारी वर्ग की बात करें तो व्यवसाय में वर्चस्व स्थापित करने में आपको सफलता मिलने वाली है। युवा वर्ग यदि प्रेम प्रसंग में है, तो आपकी ओर से रिश्ते में ज्यादा ईमानदारी देखने को मिलेगी।

वृषभ: जिन लोगों की नई नौकरी की जॉइनिंग सप्ताह के पहले दिन होनी है, उनके लिए ऐसा करना अनुकूल रहेगा। यदि व्यापारी वर्ग निवेश करने की योजना बना रहें है, तो उन्हें विदेश में संपत्ति खरीदने के अच्छे मौके प्राप्त हो सकते हैं। ऐसे विद्यार्थी जो आगे की शिक्षा विदेश में करना चाहते हैं, उन्हें इससे जुड़े कुछ अवसर प्राप्त होने की प्रबल संभावना है।

मिथुन: राशि के लोग न केवल योजना बनाने बल्कि उस पर योजना पर कार्य करने के लिए भी तैयार हो जाए। आर्थिक दृष्टि से यह सप्ताह व्यापारी वर्ग के लिए अनुकूल नहीं है, क्योंकि आपके हाथ सौदे तो लगेंगे लेकिन उसमे मुनाफे की जगह नुकसान उठाना पड़ेगा। युवा वर्ग पैसे कमाने में तो कामयाब रहेंगे, लेकिन फिजूल खर्च के चलते आपका धन बर्बाद भी हो सकता है।

कर्क: इस राशि के लोगों पर काम का दबाव बढ़ने वाला है, जो कभी-कभी आपके नियंत्रण से बाहर भी जा सकता है। बिजनेस पार्टनर का कारोबार में इन्वॉल्वमेंट न होने के कारण आपको उनके हिस्से के कार्य भी करने पड़ सकते हैं।

सिंह: इस राशि के लोग पदोन्नति और प्रोत्साहन प्राप्त करने में कामयाब हो सकेंगे। व्यापारी वर्ग पिछले कुछ समय से जिस डील के लिए प्रयासरत थे, इस सप्ताह वह सौदे अपने नाम करने में सफल रहेंगे। युवा वर्ग को यदि आत्म संतुष्टि की अनुभूति करनी है, तो आपको समायोजन का सहारा लेना पड़ेगा।

कन्या: इस सप्ताह संतुष्टि की कमी देखने को मिलेगी क्योंकि इस दौरान वर्कलोड कुछ अधिक होगा। व्यापारिक वर्ग के लिए यह सात दिन सामान्य रहेंगे, क्योंकि सभी परिस्थितियों को देखते हुए आप न तो लाभ की स्थिति में रहेंगे और न ही हानि की। हेल्थ में ठंड से बचाव करना है क्योंकि ठंड लगने से खांसी, सर्दी, सिर में दर्द आदि समस्याएं हो सकती है।

तुला: राशि के लोगों को ऑफिशियल काम के चलते पसंदीदा स्थान की यात्रा करने का अवसर मिलेगा। व्यापारी वर्ग यदि व्यावसायिक नीतियों को बदलकर नवीन रणनीतियों को अपनाते हैं, तो आपको सफलता मिल सकती है। इस सप्ताह कुछ इस तरह की स्थिति बनेगी जिसमें युवा वर्ग को न तो किसी से मिलना जुलना और न ही बात करना पसंद आएगा।

वृश्चिक: राशि के जो लोग जॉब तलाशने के काम में एक्टिव है, उन्हें ऐसी जगहों से बुलावा आएगा, जिसकी कभी आपने कल्पना भी नहीं की थी। कारोबारी वर्ग इन दिनों पैसा कमाने के साथ-साथ धन संचित करने में भी सफल होंगे। भाई बहनों के साथ अच्छा संबंध बना रहेगा, साथ ही उनसे समर्थन और प्यार भी मिलेगा।

धनु: राशि के लोगों को विदेशी स्रोतों से धन कमाने के मौके मिल सकते हैं। व्यापारी वर्ग को इस सप्ताह ग्रहों का सपोर्ट मिलेगा तो वहीं पिता का सहयोग भी आपको मुनाफा कराने में आगे रखेगा। युवा वर्ग में विवाद, मतभेद करने और दूसरों में कमी निकालने की आदत है, तो समय रहते ही इस आदत में सुधार लाए।

मकर: इस राशि के लोगों के मन में करियर को लेकर कुछ असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो सकती, जिस कारण उन्नति के मार्ग भी देर से खुलेंगे। व्यापारी वर्ग यदि काफी समय से भुगतान करने का प्रयास कर रहे थे , तो इस सप्ताह आप ऐसा करने में सफल होंगे। जीवनसाथी के साथ ऐसे नजर आएंगे जैसे आप दोनों एक दूसरे के लिए ही बने हैं।

कुंभ: राशि के लोग कुछ विशेष उपलब्धियां हासिल करने में आगे रहेंगे, जिसके द्वारा उनकी उन्नति के द्वार खुलेंगे। सप्ताह के अंतिम दो दिनों में व्यापारी वर्ग के लिए आर्थिक समस्याओं के लिए मारामारी हो सकती है, इसके बाद भी आपको कोई समाधान नहीं मिलेगा। ग्रहों की ऐसी स्थितियां बनेगी, युवाओं के मन में कोई किसी के काम नहीं आता है इस तरह के भाव आ सकते हैं।

मीन: इस राशि के लोगों की कामकाज की शैली में भारी परिवर्तन आ सकता है, जिसके लिए मन को पहले से मजबूत कर लें। संतान यदि भागदौड़ संभालने लायक है तो व्यापार में उसका पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे अनुकूल परिणाम भी प्राप्त होंगे, सेहत को ध्यान में रखते हुए आपको वाहन धीमे चलाना है।

एक सफल राजनेता थे डा. रोशन लाल

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ वयोवृद्ध नेता एवं दिल्ली पर्यटन निगम के पूर्व चेयरमैन डा. रोशनलाल एक बहु आयामी व्यक्तित्व तथा उच्च आदर्शों वाले व्यक्ति थे। उन्होंने जीवन पर्यन्त दिल्लीवासियों की सेवा की दिल्ली के विकास में उनके अनुकरणीय योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वह दिल्ली का गौरव थे तथा कांग्रेस के स्तंभ थे।

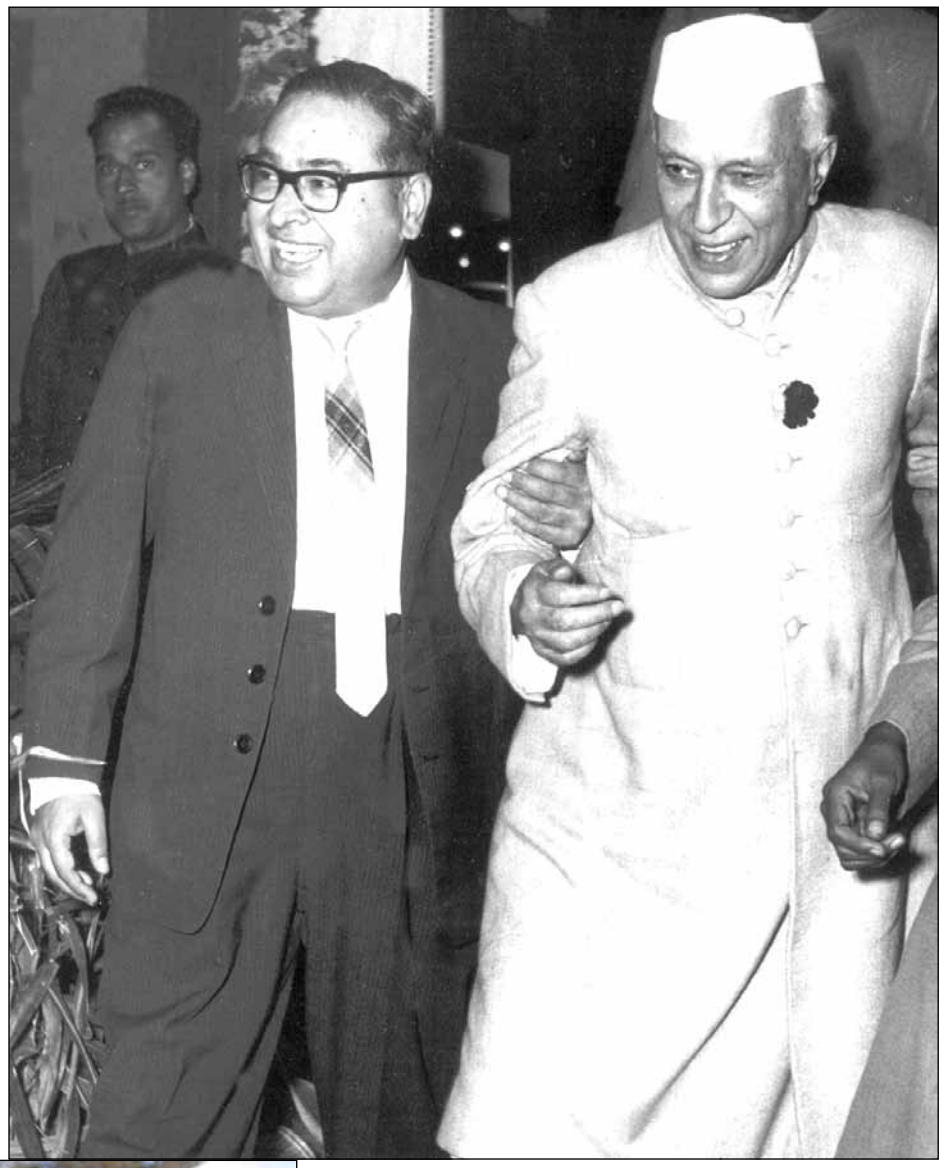

डा. रोशन लाल दिल्ली कांग्रेस की अग्रिम पंक्ति के ऐसे नेताओं में थे जिन्होंने दिल्लीवासियों की भरपूर सेवा की। डा. रोशन लाल का लंबा राजनीतिक जीवन था और वह दिल्ली के नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए अंतिम समय तक संघर्ष करते रहे।

डा. रोशन लाल ने अपना राजनैतिक जीवन सन 1951 में प्रारम्भ किया। पंजाब के एक समृद्व परिवार से जुड़े आपने लाहौर मेडिकल कालेज से डाक्टरी पास की तथा कई वर्षो तक आयुर्विज्ञान साथ ही साथ कई असाध्य रोगों का बारीकी से अध्ययन भी किया। राजनैतिक जीवन में प्रवेश करने के बावजूद भी आपने अपना चिकित्सा व्यवसाय नहीं छोड़ा, दिल्ली में आपने अपना औषधालय सदर थाना रोड में खोला तथा यह क्लीनिक ही आपका जन कल्याण का केन्द्र बना जिसके कारण आप लोकप्रिय हुए। आप 1951 में दिल्ली नगर पालिका के प्रथम चुनाव में कसाबपुरा क्षेत्र से विजयी हुए और कई उप-समितियां जिनमें स्वास्थ्य, भवन व टर्मिनल टैक्स प्रमुख हैं के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष रहे। सन् 1954 में आप दिल्ली नगर पालिका के उपाध्यक्ष जैसे पद पर आसीन हुए। सन 1956-58 की अवधि के दौरान आप दिल्ली इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के ट्रस्टी चुने गये तथा सैशन ट्रिब्यूनल कोर्ट के असेसर नियुक्त हुये। सन 1962 के नगर निगम चुनावों में आप विजयी घोषित हुये। निगम स्वास्थ्य सेवा समिति के आप तीन वर्ष तक अध्यक्ष रहे तथा दो वर्षो तक आप दिल्ली जल प्रदाय एवं मल व्ययन संस्थान के अध्यक्ष रहे। इस अवधि के दौरान पेय जल में वृद्धि, जल संयंत्रों की स्थापना, जल की लाइनों को बड़ी डायमीटर

वाली लाइनों में बदलने आदि कार्यो का श्रेय आपको ही जाता हैं। 1962-67 के दौरान आपने निरन्तर संघर्ष कर आधे से अधिक गन्दे नालों को यमुना नदी में गिरने से रूकवाया ताकि यमुना नदी को प्रदूषण से बचाया जा सके। इसी अवधि के दौरान आप दिल्ली विकास प्राधिकरण की सलाहकार परिषद के सदस्य रहे। सन 1966 में आपको विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दक्षिण-पूर्वी एशिया के देशों में भेजा, जहां आपने कूड़ा करकट व मल व्ययन प्रणाली का अध्ययन किया और भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। 1967 में आप पांच वर्ष के लिए दिल्ली सदर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चुने गये। इसी वर्ष महानगर परिषद के लिए हुए चुनावों में आप दिल्ली सदर जिला क्षेत्र की कसाबपुरा-पहाड़ी धीरज सीट से एक मात्र कांग्रेसी प्रत्याशी चुने गये, सदर जिला क्षेत्र से महानगर परिषद के लिए आठ स्थान थे। महानगर परिषद में आपने अपने रचनात्मक सहयोग द्वारा प्रतिपक्ष की सफल भूमिका निभाई। 1972 में महानगर परिषद के लिए हुये आम चुनावों में आप पुनः चुने गये तथा परिषद में कांग्रेस दल के मुख्य सचेतक नियुक्त हुए। महानगर परिषद के पांच वर्षीय कार्यकाल में बिलों-प्रस्तावों आदि के प्रस्तुतीकरण में आपका विशेष योगदान रहा। इसी दौरान आप राज्य यातायात प्राधिकरण के सदस्य मनोनीत हुये और आपने बस सेवाओं में अनेक सुधार करवाये।

1974-75 में आप सर गंगाराम हास्पीटल की सलाहकार समिति के सदस्य रहे। 1976 में आपको भारत सरकार ने दिल्ली राज्य हस्पताल बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया। इस बोर्ड के गठन का उद्देश्य हस्पतालों की कार्य प्रणाली में सुधार लाना था। 1977 में राष्ट्रीय स्तर पर बनी समाज सेवी डाक्टरों की संस्था-नेशनल फोरम आफ डाक्टर्स के आप महासचिव बने। नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र के चुनावों में आपने चुनाव प्रभारी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। जिन कांग्रेस प्रत्याशियों के रूप चुनाव प्रभारी रहे, वह है श्री के. सी. पन्त, श्रीमती मोहिनी गिरी और राजेश खन्ना। 1992 के चुनाव में आपने श्री राजेश खन्ना के चुनाव अभियान प्रबन्धक की भूमिका निभायी। आप 1992 में नई दिल्ली जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चुने गये आपकी जीवन संगिनी श्रीमती सावित्री रोशन लाल आपकी प्रेरणा स्त्रोत रहीं। श्रीमती रोशन लाल कई महिला संगठनों से संबंधित हैं तथा महिला उत्थान और बाल कल्याण के लिए कार्य करती हैं। आपकी सफलता के पीछे इनका बहुत बड़ा हाथ रहा।

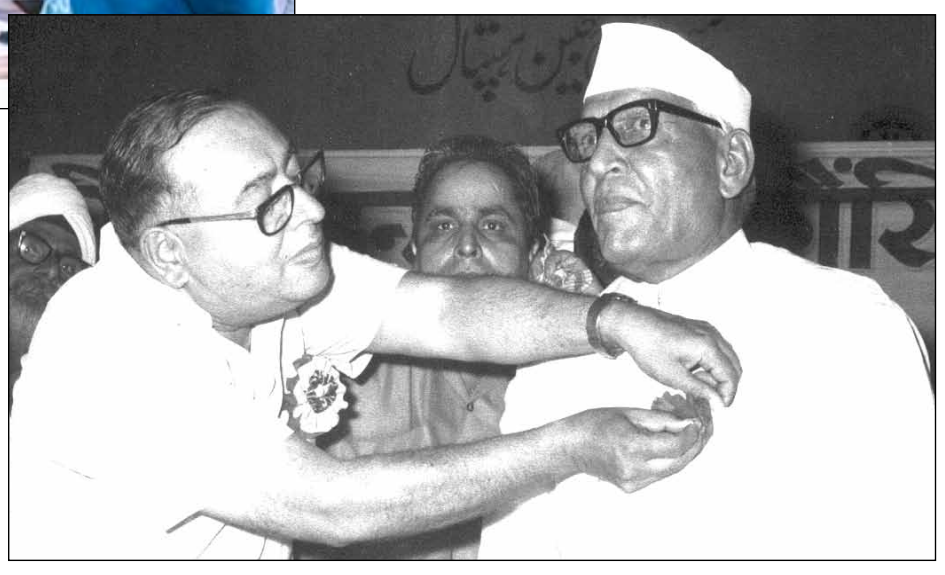

सेहत और आहार का रिश्ता जितनी जरुरत उतनी खुराक

कई बार थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खाना खाने से 'फैट बर्न' होने की क्षमता तेज हो जाती है। इस तरह से खाने से शरीर की मेटाबॉलिज्म शक्ति मजबूत होती है। आहार विशेषज्ञों की यह भी राय है कि दो से तीन घंटे पर खाने की कुछ-कुछ मात्रा लेने से ब्लड शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है, जिससे शरीर में जरूरी ऊर्जा बनी रहती है।

दुनिया की एक बड़ी आबादी आज भी कुपोषण की शिकार है। पर यह भी क्या कम बड़ा विरोधाभास है कि जिन लोगों की माली हालत बेहतर है और जिनके सामने भोजन की कोई समस्या नहीं है, वे भी आहार से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं। कमाल तो यह कि भोजन से जुड़ी तमाम समस्याएं और संशय उस दौर में देखने में आ रही हैं, जिसके बारे में दावा किया जाता है कि अब लोग पहले के मुकाबले शरीर और स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा जागरूक हुए हैं। आलम यह है कि पौष्टिक और सेहतमंद आहार के नाम पर लोगों को कुछ से कुछ समझाया जा रहा है। रही सही कसर विज्ञापनों ने पूरी कर दी है, जो खाने-पीने के सामान बेचने के लिए उलटे-सीधे दावे करते रहते हैं।

इसके अलावा कई अवैज्ञानिक धारणाएं भी हैं, जो भोजन से जुड़ी हैं और समाज और परंपरा में लंबे समय से बनी हुई हैं। मसलन, यह समझना कि बेहतर और ज्यादा भोजन अच्छी सेहत के लिए जरूरी है। स्वास्थ्य विज्ञान ऐसी तमाम धारणाओं को खारिज करता है।

कब और कितनी बार खाना

आमतौर पर लोग मानते हैं पूरे दिन में कम से कम तीन बार खाना जरूर खाना चाहिए। पर आहार विशेषज्ञों की राय इससे विपरीत है। उनके मुताबिक दिन में तीन बार खाने से ज्यादा बेहतर कम मात्रा में छह-सात बार खाना चाहिए। कई बार खाने से 'बॉडी क्लॉक' सही रहता है। अलबत्ता दिन में कई बार खाना तो अच्छी बात जरूर है पर आपको यह ध्यान देना चाहिए कि आप खा क्या रहे हैं। दरअसल, हमारे शरीर को हर दो से तीन घंटे में कुछ खाना चाहिए होता है, ऐसे में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में हल्का और पौष्टिक भोजन करना अच्छा विकल्प है।

कई बार थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खाना खाने से 'फैट बर्न' होने की क्षमता तेज हो जाती है। इस तरह से खाने से शरीर की मेटाबॉलिज्म शक्ति मजबूत होती है। आहार विशेषज्ञों की यह भी राय है कि दो से तीन घंटे पर खाने की कुछ-कुछ मात्रा लेने से ब्लड शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है, जिससे शरीर में जरूरी ऊर्जा बनी रहती है।

मात्रा का आकलन

एक व्यक्ति के लिए इस बात का ठीक-ठीक अंदाजा लगाना कठिन है कि उसे क्या खाना है और कितना खाना है। पर ऐसे कई साधन हैं, जिनके माध्यम से कोई भी यह जान सकता है कि उसे कब, क्या और कितना खाना है। इसके लिए आहार से जुड़ी कुछ बुनियादी बातों की समझ सबके लिए जरूरी है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पोषण की कमी के कारण शरीर कमजोर होता है और इस कारण बीमारियों का हमला होता है और ऐसे में दुनियाभर में हर साल करीब 60 लाख बच्चों की मौत हो जाती है। 'हील योर बॉडी' के संस्थापक रजत त्रेहन बताते हैं कि आपको अपने शरीर की जरूरतों को पूरा करने के लिए दैनिक आधार पर कुछ तय चीजें खानी होंगी।

प्रोटीन हमारे प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत रखते हैं। दुग्ध उत्पादों और अंडों में प्रोटीन होता है। और इसी कारण इन्हें अपने भोजन में शामिल करना जरूरी है। इसी तरह एंटीआक्सीडेंट्स एक तरह के सूक्ष्म पोषक होते हैं और ये हमारे शरीर की रक्षा करते हैं। शरीर में इनकी अपेक्षित मात्रा होनी इसलिए जरूरी है क्योंकि इससे खाद्य पदार्थों का ऑक्सीकरण होते रहता है। इससे वे इन्हें खराब होने से रोकते हैं।

एहतियात और हिदायत

- शरीर की पाचन प्रक्रिया दुरुस्त रखने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए। इसी तरह रात में जल्दी खाने और सुबह जल्दी उठने की आदत बेहतर मानी गई है।
- हर व्यक्ति को रोजाना शरीर की जरूरत के मुताबिक पानी पीना चाहिए। इसी तरह ऊर्जा के लिए किलोजूल (विशेष रूप से काबोर्हाइड्रेट), जैतून के तेल, मछली, नट्स, एवोकैडो और फैटी एसिड युक्त भोजन लेना चाहिए।
- जीवन के विभिन्न चरणों या अवस्थाओं में शरीर की पोषण संबंधी आवश्यकताएं बदल जाती हैं। लिहाजा आहार में उम्र और अवस्था के मुताबिक जरूरी पोषण तत्व शामिल होने चाहिए।

अगर आप भी 50-55 की उम्र में हैं तो आज से ही कर लें अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव

अगर आप भी 50-55 की उम्र में हैं या उसे पार कर चुके हैं तो आपको आज से ही अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव कर लेना चाहिए। इसके साथ ही बढ़ती उम्र के लिए मुश्किल पैदा करने वाली उन आदतों को भी छोड़ देना चाहिए जो आप अभी तक फॉलो कर रहे थे क्योंकि ये उम्र बढ़ने के साथ आपको तकलीफ पहुंचा सकती हैं। यहां हम आपको उन सात आदतों के बारे में बताएंगे जिन्हें अगर आपने आज से ही बदल लिया तो उम्र आपके लिए महज एक नंबर रह जाएगी।

50 के बाद की उम्र के लोगों के लिए सबसे जरूरी चीज है कि वो शराब का सेवन कम से कम कर दें। भोजन की तुलना में शराब का पचने का तरीका ज्यादा जटिल होता है और ये शरीर में विसरल फैट (लीवर समेत शरीर के अंदरूनी अंगों पर जमा होने वाला फैट) को बढ़ाता है। उम्र बढ़ने के साथ विसरल फैट कैंसर, हाई कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक, हृदय रोग और डायबिटीज जैसी घातक बीमारियों का कारण बनता है। अच्छी बात ये है कि इस फैट को आप अपने खानपान में सुधार कर कम कर सकते हैं और एक लंबी और स्वस्थ जिंदगी जी सकते हैं।हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि 50 से अधिक उम्र के लोगों को तेज संगीत सुनना और तेज आवाज के संपर्क में आना भी बंद कर देना चाहिए।

85 डेसिबल (डीबी) से अधिक तेज आवाज में रहने से आपकी सुनने की क्षमता प्रभावित होती है। ये समस्या कई बार काफी समय बाद होती है तो कई बार तुरंत भी हो सकती है। अगर आपके घर के आसपास अक्सर तेज शोर होता है तो इयरप्लग या कानों की सुरक्षा के लिए अन्य तरीके जरूर इस्तेमाल करें।50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को हर एक चीज के लिए 'हां' कहना बंद कर देना चाहिए और 'न' कहने की आदत डालनी चाहिए। उदाहरण के लिए अगर आपके आसपास के लोग हर रोज आपको किसी ना किसी काम में उलझाते हैं तो आप उन्हें 'न' बोलिए और अपने समय को बचाकर उसे अपनी हेल्थ में लगाइए। बचे हुए समय में दोस्तों के साथ मेल-जोल बढ़ाएं या फिर ध्यान और योग करें। मेडिटेशन से शरीर और दिमाग की कई परेशानियों को दूर करने में मदद मिलती है।उम्र बढ़ने के साथ अगर आप स्वस्थ और खुश रहना चाहते हैं तो आपको अपने आसपास के लोगों के साथ हेल्दी रिलेशनशिप बनाकर रखना होगा। इमोशनल सपोर्ट डाइट, एक्सरसाइज की तरह ही व्यक्ति को हेल्दी रखने में मदद करता है।

अच्छे संबंध डिप्रेशन को दूर करने में मदद करते हैं जो अकेले रहने वाले लोगों को बहुत जल्दी घेरता है। पालतू जानवरों जैसे कुत्ते या बिल्ली के साथ भी आपको अच्छा महसूस हो सकता है।उम्र के इस पड़ाव तक पहुंचने के बाद आपको ये मान लेना होगा कि अब आप स्कवॉट्स, केटलबेल, जंपिंग जैक्स जैसे हाई इंटेन्सिटी वाले वर्कआउट नहीं कर सकते। अगर आप अभी तक ये करते आ रहे थे तो इन्हें तुरंत छोड़ दीजिए। अपनी उम्र के मुताबिक जीवनशैली में बदलाव करना बेहद जरूरी है।दुनिया में हर इंसान जवान रहना चाहता है लेकिन ये मुमकिन नहीं है। आप कुछ तरीकों से जवान दिख सकते हैं लेकिन अपनी उम्र को बढ़ने से रोक नहीं सकते। इसलिए टीवी पर जवान और सुंदर बनाने का दावा करने वाले प्रोडकट्स और प्लास्कि सर्जरी से दूर रहें।

इसकी जगह पोषक खाद्य पदार्थ और फिटनेस पर ध्यान देकर आप एक स्वस्थ जिंदगी जी सकते हैं। बता दें कि हम सभी जानते हैं कि जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे हमारे शरीर में बदलाव आता है। हम चाहकर भी इन बदलावों को रोक नहीं सकते लेकिन कई लोग उम्र बढ़ने के बाद भी काफी जवान और फिट दिखते हैं जिसकी वजह उनका खुद पर ध्यान देना और अच्छी लाइफस्टाइल है।

मोदी से मुलाकात के बाद शतरंज खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

बुडापेस्ट में 45वें शतरंज ओलंपियाड में भारत ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इस खास मौके पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के युवा शतरंज खिलाड़ियों से अपने सरकारी आवास पर मुलाकात की।

इस मुलाकात का वीडियो पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी शेयर किया है।

पुरुष और महिला दोनों टीमों ने पीएम मोदी को चेस बोर्ड गिफ्ट किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने प्रगनानंदा और अर्जुन एरिगैसी के बीच एक रोमांचक शतरंज मुकाबले का भी लुत्फ लिया।

इस मुलाकात के बाद, शतरंज के सितारों ने अपने अनुभव साझा किए और कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें इतना सहज महसूस कराया कि ऐसा

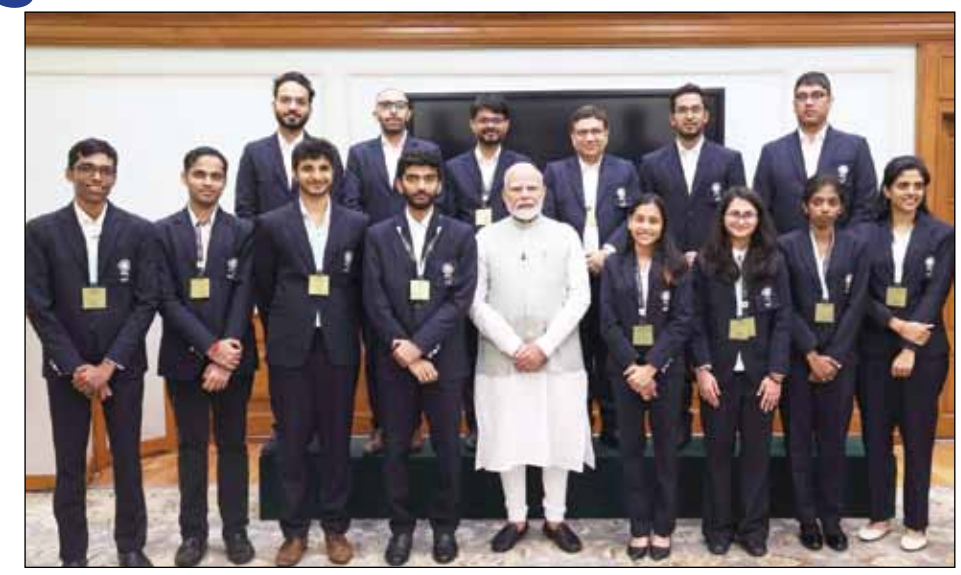

लगा ही नहीं कि वे देश के प्रधानमंत्री से बात कर रहे हैं।

डी. गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और आर. प्रगनानंदा के शानदार प्रदर्शन के कारण पुरुष टीम ने स्लोवेनिया पर अंतिम दौर में रोमांचक जीत हासिल कर स्वर्ण पदक हासिल किया। जबकि हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल, तानिया सचदेव की महिला टीम ने अजरबैजान को 3.5-0.5 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

टीम के कप्तान अभिजीत कुंते ने बताया कि उन्हें कैसे पता चला कि पीएम मोदी ने अमेरिका में अपने भाषण में उनकी जीत का जिक्र किया है।

उन्होंने कहा, "वह बहुत उत्सुक थे कि 100 वर्षों में हमने जो उपलब्धि हासिल की है, उसके बारे में पूरी दुनिया को पता चले। 22 सितंबर को अमेरिका में पीएम के भाषण से कुछ घंटे पहले ही हमने जीत हासिल कर ली। जब हमने भाषण सुना, तो पीएम ने गर्व के साथ हमारी जीत को सभी के साथ साझा किया।"

विदित ने प्रधानमंत्री मोदी से अपनी मुलाकात के बारे में कहा, "यदि आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं और प्रधानमंत्री से प्रशंसा प्राप्त करते हैं, तो आप इससे अधिक क्या मांग सकते हैं? जिस तरह से उन्होंने बात की, उससे हम सहज महसूस कर रहे थे। उन्होंने टूर्नामेंट के बारे में पूछा और हमारे साथ हंसी-मजाक भी किया।"

वंतिका अग्रवाल यह जानकर बहुत खुश हैं कि प्रधानमंत्री ने उनका जन्मदिन याद किया है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से अपनी पहली मुलाकात को भी याद किया, जब वह 9 साल की थीं।

उन्होंने कहा, "मेरा जन्मदिन 20 सितंबर को था और प्रधानमंत्री मोदी को यह याद है। मुझे यकीन नहीं हो रहा था कि उन्हें मेरा जन्मदिन याद है। जब मैं 9 साल की थी, तब मोदी जी ने गुजरात में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था। उस समय मैंने एशियाई चैंपियनशिप जीती थी। उन्होंने मुझे उस कार्यक्रम में आमंत्रित किया और मेरा सम्मान किया।"

गुकेश ने कहा, "जिस तरह से उन्होंने वंतिका के जन्मदिन को याद रखा, उससे पता चलता है कि वह खिलाड़ियों की कितनी परवाह करते हैं और यह उनके लिए कितना मायने रखता है। यह देखकर हमें बहुत खुशी हुई।"

तानिया सचदेवा ने बताया कि इस मुलाकात के बाद टीमों में काफी उत्साह है और उन्होंने प्रधानमंत्री से बहुत कुछ सीखा है।

फुटबॉल : संतोष की हैट्रिक-हिंदुस्तान एफसी जीता

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

डीएसए प्रीमियर लीग में अंबेडकर स्टेडियम में खेले गए एकतरफा मुकाबले में सीआईएसएफ ने तरुण सांघा फुटबाल क्लब को 5-0 से हराकर बड़ी जीत के साथ खाता खोला और पूरे अंक अर्जित किए।

सीआईएसएफ की जीत का आकर्षण संतोष की हैट्रिक रही। दिन के दूसरे मुकाबले में पहली लीग की विजेता वाटिका एफसी को हिंदुस्तान एफसी के हाथों एक गोल से हार का सामना करना पड़ा।

विजयी गोल थांगमिन लेन मिसाव ने लंबी सीटी से पहले मिली पेनल्टी पर किया। भले ही थांगमिन को मैन ऑफ द मैच आंका गया लेकिन मैच का हीरो वाटिका का गोली यश कुलकर्णी रहा जिसने कई मौकों पर सुंदर बचाव किए।

सीआईएसएफ की जीत का आकर्षण उसके स्टार स्ट्राइकर

संतोष कुमार की शानदार हैट्रिक रही। संतोष ने छठे मिनट में टीम का खाता खोला और अंतिम मिनट में टीम का पांचवां गोल जमाने के साथ हैट्रिक पूरी की। पुरस्कार स्वरूप उसे मैन ऑफ द मैच आंका गया। हैट्रिक करने वाला संतोष तीसरी प्रीमियर लीग का पहला खिलाड़ी है।

भोला सिंह और आदित्य ने एक-एक गोल किए। नॉर्थ ईस्ट के खिलाड़ियों से सजे तरुण सांघा ने छिटपुट मूव जरूर बनाए लेकिन सीआईएसएफ की मजबूत रक्षापंक्ति को भेद नहीं सके और गोल कीपर महतो ने बेहतर बचाव किए। पहले प्रीमियर लीग की विजेता वाटिका और हिंदुस्तान एफसी के बीच खेला गया मैच उतार-चढ़ाव वाला रहा। हालांकि हिंदुस्तान ने बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन फॉरवर्ड लाइन के प्रयासों पर गोली यश कुलकर्णी ने बार-बार पानी फेरा। यश ने आधा दर्जन सुंदर बचाव कर वाटिका को बड़ी हार से बचा लिया। एक बात तय है कि पहली प्रीमियर लीग की विजेता वाटिका में फिलहाल इस बार पहले सी चमक नजर नहीं आई।

आईपीएल 2025 में मैचों की संख्या में नहीं होगा इजाफा

आईपीएल 2025 में कुल 74 मैच ही खेले जाएंगे। यह आईपीएल के 2023-27 के चक्र के लिए बेचे गए नए मीडिया राइट्स के दौरान आईपीएल 2025 के लिए तय किए गए मैचों की संख्या से 10 मैच कम है। इसके अनुसार आगामी सीजन में कुल 84 मैच खेले जाने थे।

नए चक्र के लिए टेंडर संबंधी दस्तावेज में यह वर्णित था कि प्रति सीजन मैचों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। आईपीएल ने इसमें बताया था कि 2023 और 2024 में कुल 74 मैच, 2025 और 2026 में 84 जबकि डील के अंतिम साल 2027 में अधिकतम 94 मैच खेले जाएंगे।

ईएसपीएनक्रिकइंफो को पता चला है कि आईपीएल द्वारा आगामी सीजन में मैचों की संख्या में बढ़ोतरी न करने की एक बड़ी वजह भारतीय खिलाड़ियों का वर्कलोड प्रबंधन भी है। भारत लगातार तीसरी बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में

पहुंचने का दावेदार है जो कि 11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। बीसीसीआई इस पक्ष में है कि अगर भारत फाइनल में प्रवेश करता है तो खिलाड़ियों को पर्याप्त आराम मिल सके। अभी आईपीएल 2025 के कार्यक्रम को अंतिम रूप नहीं दिया गया है लेकिन यह मार्च के मध्य से लेकर मई के अंतिम सप्ताह तक खेला जा सकता है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने हाल ही में इकोनॉमिक्स टाइम्स से कहा, "हमने आईपीएल 2025 में 84 मैचों को आयोजित किए जाने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। यह अनुबंध का हिस्सा है और यह बीसीसीआई पर निर्भर करता है कि सीजन में 74 या 84 कितने मैचों का आयोजन होगा।"

2022 में मीडिया राइट्स विक्रय होने पर आईपीएल दुनिया की अमीर स्पोर्ट्स लीग में से एक बन गया। 2023-27 के लिए आईपीएल के मीडिया राइट्स 48,390 करोड़ में बिके। इन राइट्स को चार पैकेज में बेचा गया था : ए (भारतीय उपमहाद्वीप में टीवी राइट्स), बी (उपमहाद्वीप में डिजिटल राइट्स), सी (कुछ हाई प्रोफाइल मैच के डिजिटल राइट्स से जुड़े विशेष पैकज) और डी (पांच विभिन्न क्षेत्रों के हिसाब से वैश्विक मीडिया राइट्स) आईपीएल ने कहा कि सीजन में कुल मैचों की संख्या पैकेज सी के आधार पर की जाएगी, जिसे विशेष पैकेज के नाम से भी जाना जाता है। इस पैकेज में टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच, वीकेंड पर शाम के मैच, चार प्लेऑफ के मैच और फाइनल शामिल है। 2023-24 के सीजन में आईपीएल में 74 मैच खेले गए, जिसके हिसाब से विशेष पैकेज के कुल 18 मैच थे। अगर किसी सीजन में 74 से अधिक मैच खेले जाते हैं तब विशेष पैकेज के मैचों में हर अतिरिक्त 10 मैचों के हिसाब से दो मैचों की बढ़ोतरी होगी। उदाहरण के तौर पर अगर किसी सीजन में 84 मैच खेले जाते हैं तब विशेष पैकेज मैचों की संख्या 18 से बढ़कर 20 हो जाएगी।

क्या बारबाडोस के बाद यूएई में भी इतिहास रचेगी टीम इंडिया?

भारतीय क्रिकेट टीम के दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह साल अब तक शानदार रहा है। एक तरफ रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीतकर भारत का परचम बुलंद किया और अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय महिला टीम यूएई में तिरंगे की शान बढ़ाने पहुंच चुकी है।

भारत की महिला टीम टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत 4 अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। क्रिकेट फैंस को टूर्नामेंट के आगाज का बेसब्री से इंतजार है, जबकि हरमनप्रीत सेना की नजर विश्व कप पर होगी। ये

फोटो : राजीव गुप्ता

टीम इस खिताब से पिछली बार बेहद करीब से चूक गई थी, लेकिन उस वक्त कहीं न कहीं नॉकआउट मुकाबले का दबाव टीम इंडिया पर हावी हो गया था।

मगर, इस बार यह टीम हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। कोच मजूमदार विश्व कप की तैयारियों को लेकर आश्वस्त हैं, जबकि टीम की कप्तान का मानना है कि उनके पास टी20 विश्व कप के लिए एक सर्वश्रेष्ठ टीम है।

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के रूप में खतरनाक सलामी जोड़ी है, जो अच्छे-अच्छे बॉलिंग लाइन-अप की बखिया उधेड़ने का माद्दा रखती हैं। मिडिल ऑर्डर में खुद हरमनप्रीत जिम्मा उठाएंगी जबकि फिनिशर की भूमिका में ऋचा घोष और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी धाकड़ खिलाड़ी शामिल हैं। गेंदबाजी में टीम के पास पूजा वस्त्रकर, अरुंधति रेड्डी और रेणुका सिंह जैसी गेंदबाज हैं। इस टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। भारतीय महिला क्रिकेट ने पिछले कुछ वर्षों में बेहतरीन प्रदर्शन करके विश्व क्रिकेट में एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है, लेकिन बड़े मंच और खिताब जीतने का सपना अब भी अधूरा है। इस बार सभी संयोग टीम इंडिया के पक्ष में है और उम्मीद है कि बारबाडोस के बाद अब यूएई से भी टीम इंडिया ट्रॉफी लेकर लौटेंगी।

ऊर्फी की बहन असफी जावेद बिग बॉस 18 में भाग लेंगी?

सलमान खान लोकप्रिय टेलीविजन शो बिग बॉस 18 के होस्ट के रूप में वापसी करेंगे और 6 अक्टूबर, 2024 को टेलीविजन स्क्रीन पर आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि प्रतियोगियों की आधिकारिक सूची अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन ऐसी अफवाहें हैं कि ऊर्फी जावेद की छोटी बहन असफी जावेद शो में भाग ले सकती हैं। अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए, असफी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर स्पष्ट किया कि वह बिग बॉस 18 में भाग नहीं ले रही हैं। उन्होंने कहा, "सभी को नमस्कार! मैं बिग बॉस 18 में मेरे शामिल होने की खबरें देख रही हूं। मैं बिग बॉस नहीं कर रही हूं, न ही मुझे शो के लिए संपर्क किया गया है।"

इसके अलावा, उन्होंने कहा, "मैं पहले से ही हमारे अपने रियलिटी शो फॉलो करलो यार का हिस्सा रही हूं, और अब मैं अभिनय परियोजनाओं की प्रतीक्षा कर रही हूं।" इस बीच, बिग बॉस 18 में समय का तांडव (समय का कहर) थीम दिखाई जाएगी। निमार्ताओं ने शो का प्रोमो जारी किया, जिसमें लिखा था, "इस बार घर में भूचाल आएगा, क्योंकि बिग बॉस में टाइम का तांडव छाएगा!" (घड़ी और आंख की इमोजी) निया शर्मा, न्यारा बनर्जी, शहजादा धामी, ऋत्विक धनजानी, धीरज धूपर, दलजीत कौर, डॉली चायवाला, शेजान खान, शोएब इब्राहिम, शिल्पा शिरोडकर, करण वीर मेहरा और दिग्विजय सिंह राठी सहित अन्य के बिग बॉस 18 में भाग लेने की अफवाह है। हालांकि, आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। बिग बॉस 17 का खिताब कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी ने जीता था और अभिषेक कुमार दूसरे स्थान पर रहे।

एमी एला ने सिजलिंग बिकनी पहन स्विमिंग पूल में गिराई बिजली

एक्ट्रेस एमी एला लाइट ब्लू कलर की हॉट बिकिनी में नजर आ रही हैं, उनकी बोल्ड और हॉट तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। एक्ट्रेस एमी एला ने स्विमिंग पूल के किनारे बेहद ही सिजलिंग पोज दिए, जिन्हें देखकर फैंस अपने दिलों को थामे नजर आ रहे हैं। एमी एला पानी में भीगते हुए गजब ढा रही हैं, उनकी तस्वीरें देखकर फैंस आहें भर रहे हैं। भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई एक्ट्रेस एमी एला की बोल्डनेस देखकर फैंस बेताब हो रहे हैं।

मौनी रॉय ने मालदीव की धूप में समुद्र का लुत्फ उठाया

अभिनेत्री मौनी रॉय ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मालदीव में अपनी छुट्टियों की कुछ झलकियां साझा कीं। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मौनी ने अपने पति सूरज नांबियार और अन्य दोस्तों के साथ अपने प्री-बर्थडे सेलिब्रेशन की एक छोटी सी झलक साझा की। वीडियो में मौनी रिसॉर्ट की खूबसूरती को कैद करते हुए समुद्र का मनोरम दृश्य दिखाती हैं। क्लिप में उनके पति सूरज अपने दोस्तों के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी प्रेमिका को फ्लाइंग किस देते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के अंत में मौनी ने मालदीव की खूबसूरती को कैद करते हुए कहा, "शानदार, शानदार विला"। इस बीच, 'नागिन' अभिनेत्री ने अपने जन्मदिन की छुट्टी से कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। क्लिप में मौनी अपनी दोस्त के साथ गोल्फ बग्गी में सवारी का आनंद लेते हुए पोज देती नजर आ रही हैं। बाद में उन्होंने हरे रंग की बिकिनी में अपना एक छोटा वीडियो पोस्ट किया और लिखा, "बर्थडे गेटअवे"। आखिरी तस्वीर में मौनी मालदीव के सबसे प्रतिष्ठित स्थानों में से एक में वाइन का गिलास पीती नजर आईं। काम के मोर्चे पर, मौनी को सुपरनैचुरल थ्रिलर सीरीज 'नागिन' में शिवन्या के किरदार के लिए जाना जाता है। उन्होंने 2006 में टेलीविजन शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की। उन्होंने 'देवों के देव...महादेव' में अभिनेता मोहित रैना के साथ हिंदू देवी सती की भूमिका निभाई, और 'जुनून - ऐसी नफरत तो कैसा इश्क' में मीरा की भूमिका निभाई। उन्होंने 2011 में पंजाबी रोमांटिक फि ल्म, 'हीरो हिटलर इन लव' से फि ल्मी करियर की शुरूआत की और 2018 में रीमा कागती द्वारा निर्देशित पीरियड स्पोर्ट्स फि ल्म 'गोल्ड' से हिंदी फि ल्मों में डेब्यू किया, जिसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद वह 'लंदन कॉन्फिडेंशियल', 'मेड इन चाइना', 'ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन - शिवा' और 'ब्लैकआउट' जैसी फिल्मों में नजर आईं। 38 वर्षीय अभिनेत्री आखिरी बार मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित वेब सीरीज 'शोटाइम' में नजर आई थीं। इसमें इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में हैं।

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes